सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे रोहित, मिचेल दूसरे -पेज: 7

अमेरिकी बिजनेसमैन संग सात फेरे लेंगी पवित्रा पुनिया -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 228 | गुरुवार 27 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

संविधान के सिद्धांतों को सुनियोजित ढंग से कमजोर कर रहे हैं प्रधानमंत्री और गृह मंत्री: कांग्रेस

कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए सुनियोजित तरीके से संविधान के सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं को कमजोर कर रहे हैं। पार्टी के...

नई दिल्ली: कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की भूमिका को आगे बढ़ाते हुए सुनियोजित तरीके से संविधान के सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं को कमजोर कर रहे हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वह संविधान पर होने वाले हर प्रहार का सामने खड़े होकर मुकाबला करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि न्याय, समानता, आजादी, परस्पर भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद भारत की पहचान बन चुकी है, लेकिन आज ये पहचान खतरे में हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा और आरएसएस का संविधान के प्रति आदर दिखाना सिर्फ ढोंग है। संविधान दिवस के अवसर पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स' पर पोस्ट किया, "भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक से किया गया एक पवित्र वादा है। वादा यह कि चाहे कोई किसी भी धर्म या जाति का हो, किसी भी क्षेत्र से आता हो, कोई भी भाषा बोलता हो, गरीब हो या अमीर, उसे समानता, सम्मान और न्याय मिलेगा।" उन्होंने कहा कि संविधान गरीबों और वंचितों का सुरक्षा कवच है, उनकी शक्ति है और हर एक नागरिक की आवाज है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि जब तक संविधान सुरक्षित है, हर भारतीय के अधिकार सुरक्षित हैं। राहुल गांधी ने कहा, "आइए, हम प्रण लें कि हम संविधान पर किसी भी तरह का आक्रमण नहीं होने देंगे। इसकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है और इस पर होने वाले हर प्रहार के सामने सबसे पहले खड़ा रहूंगा।" उन्होंने कहा, "आप सभी को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जय हिंद, जय संविधान।" खरगे ने ह्यएक्स' पर पोस्ट किया, बाबासाहेब डॉ आंबेडकर व पंडित नेहरू ने संविधान सभा के साथ मिलकर संविधान का ही नहीं एक ऐसे भारत का निर्माण किया जहां लोकतंत्र सर्वोपरि हैं। न्याय, समानता, आजादी, परस्पर भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद भारत की पहचान बन चुकी है।" उन्होंने दावा किया कि आज ये पहचान खतरे में हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, जब संविधान लागू हुआ था, तब आरएसएस जैसे संगठन खुले तौर पर कहते थे कि संविधान पाश्चात्य मूल्यों पर आधारित है और उनका आदर्श तो मनुस्मृति है इतिहास गवाह है कि वे संविधान के खिलाफ थे। आज विडम्बना यह है कि जो लोग कभी संविधान से ज्यादा मनुस्मृति को मानते थे, सत्ता में आने के बाद मजबूरी और राजनीतिक आवश्यकता के कारण उसी संविधान को अपना बताने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने दावा किया, ह्यह्य11 दिसंबर, 1948 को इन्ही लोगों ने रामलीला मैदान में बड़ा सम्मेलन करके बाबासाहेब आंबेडकर का पुतला भी फूंका था। आरएसएस ने केवल संविधान और तिरंगे का विरोध ही नहीं किया, बल्कि अंग्रेजी राज में जब स्वाधीनता सेनानी जेलों में थे तो आरएसएस अंग्रेजों के साथ थी।" खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आज उसी आरएसएस की लाल किले से तारीफ करते हैं, जबकि महात्मा गांधी की हत्या के बाद 30 जनवरी 1948 को आरएसएस पर पहला प्रतिबंध सरदार पटेल जी ने लगाया था। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज मोदी जी हमें औपनिवेशीकरण के खतरे पर ज्ञान दे रहे हैं, पर ये उसी विचारधारा के लोग हैं जिन्होंने आजादी की लड़ाई में, राष्ट्रीय आंदोलन में एक मिनट भी देश की जनता का साथ नहीं दिया, उल्टा अंग्रेजों की गुलामी की।" कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ह्यह्यदेश की जनता जान चुकी है कि संस्थानों को कौन चोट पहुंचा रहा है। ये भाजपा-आरएसएस के लोग संविधान की धज्जियां उड़ाने में व्यस्त हैं। इसलिए आज संविधान के प्रति इनका ये सम्मान केवल दिखावा है, ढोंग है। इन्होंने ही संविधान की प्रतियां जलाईं थी, आज ये जाकर बाबासाहेब की प्रतिमा पर फूल चढ़ा रहें हैं। ये भारत के संविधान और हमारे पूर्वजों की सबसे बड़ी जीत है।" कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ह्यएक्स' पर पोस्ट कर दावा किया, "यह सब भारत के संविधान निर्माण के इतिहास का हिस्सा है जिसमें आरएसएस की कोई भूमिका नहीं थी। वास्तव में, संविधान अपनाए जाने के बाद आरएसएस की भूमिका संविधान पर हमला करने और उसे कमजोर करने की रही है। उसी भूमिका को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी सुनियोजित तरीके से संविधान के सिद्धांतों, प्रावधानों और प्रक्रियाओं को कमजोर कर रहे हैं।"

सड़क दुर्घटना में मृतक व्यापारी के परिवार को मिलेगा 18 करोड़ का मुआवजा

-मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने 13 साल चली लड़ाई के बाद दिया आदेश

पुणे (एजेंसी)। पुणे-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक व्यापारी की साल 2012 में मौत हो गई थी। उनके परिजनों को करीब 13 साल की लंबी लड़ाई के बाद 18 करोड़ का मुआवजा दिया गया है। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने यह आदेश जारी किया है। यह मुआवजा एक बीमा कंपनी और ट्रक मालिक को संयुक्त रूप से देना होगा। मुआवजे की मूल राशि 10.9 करोड़ है। यह राशि याचिका दाखिल करने की तारीख 1 मार्च, 2016 से 7.5फीसदी प्रति वर्ष की दर से ब्याज समेत दी जाएगी। ब्याज को मिलाकर कुल मुआवजा 18 करोड़ से ज्यादा का हो गया है। बता दें दुर्घटना में मुंबई के व्यवसायी राजीव विनोद शाह की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई थी। राजीव शाह अपनी होंडा सिटी कार से मुंबई से पुणे जा रहे थे। तभी ट्रक ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह कार सड़क के डिवाइडर को तोड़ती हुई विपरीत दिशा में राजीव शाह की होंडा सिटी कार से टकरा गई। मृतक की कार का पीछे चल रही राज्य परिवहन निगम की एक बस ने भी शाह की कार को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजीव शाह के परिवार के छह सदस्यों ने न्यायाधिकरण के समक्ष दुर्घटना दावा याचिका दायर कर ब्याज समेत 17.4 करोड़ के मुआवजे की मांग की थी। न्यायाधिकरण ने ट्रक मालिक के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की क्योंकि वह सुनवाई के दौरान कभी पेश नहीं हुआ। बीमा कंपनी ने इस दावे का यह कहते हुए विरोध किया कि यह दुर्घटना तीनों वाहनों की संयुक्त लापरवाही के कारण हुई थी।

लॉरेंस गैंग के 4 शूटरों का एनकाउंटर, दो घायल

मोहाली (एजेंसी)। मोहाली के डेराबस्सी में चंडीगढ़-अंबाला राजमार्ग पर बुधवार दोपहर बड़ा पुलिस अभियान चलाया गया। स्टील स्ट्रिप्स टावर्स के पास एक घर में छिपे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के चार गुर्गों को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने अचानक फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और कुछ देर तक दोनों तरफ से गोलियां चलती रहीं। मुठभेड़ में गिरोह के दो शूटरों को गोली लगी और वे घायल हो गए। मौके पर मौजूद एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और एसएएस नगर पुलिस ने घेराबंदी कर सभी चार आरोपियों को काबू में कर लिया। घायल आरोपियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह विदेशी ठिकानों से अपने हैंडलर के निर्देश पर काम कर रहा था। यह समूह ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेटेड हमलों की योजना बनाने में लगा हुआ था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गिरोह इस क्षेत्र में किसी बड़े हमले की तैयारी कर रहा है।

पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़े गए 2 आतंकी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर देहात पुलिस ने भारत-पाक बॉर्डर पर दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से करीब ढाई किलो का आईईडी और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। यह कार्रवाई खुफिया अलर्ट के बाद हुई है। जिसमें आईएसआई द्वारा हाल ही में दिल्ली धमाके के बाद दोबारा भारतीय क्षेत्र में विस्फोटक भेजने की कोशिश तेज होने की जानकारी मिली थी। अमृतसर के रमदास, अजनाला और घरिंडा में बढ़ाई गई नाकाबंदी के दौरान दोनों आरोपी भाई युवराज और आकाशदीप बाइक पर आईईडी लेने निकले थे, लेकिन कोहरे के बीच पकड़े गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर मॉड्यूल के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है।

संविधान का अक्षरश : पालन हुआ तो 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि यदि देश संविधान में निहित सिद्धांतों का पूरी निष्ठा से पालन करे, तो वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य साकार किया जा सकता है। संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने लंबे विचार-विमर्श और व्यापक बहस के बाद 26 नवंबर 1949 को संविधान को अंगीकार किया, जिसने भारत को एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने की मजबूत नींव रखी। बिरला ने कहा कि भारतीय संविधान एक जीवंत और गतिशील दस्तावेज है, जो नागरिकों की आवश्यकताओं और उनके अधिकारों का ध्यान रखता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान का पालन करना हर नागरिक और संस्था का कर्तव्य है, क्योंकि यही देश को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का सबसे मजबूत आधार है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि संविधान सभा द्वारा संविधान अंगीकार किए जाने की स्मृति में 2015 से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

मुंबई एयरपोर्ट पर फर्जी भारतीय पासपोर्ट के साथ नेपाली महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ओमान जाने की कोशिश कर रही एक नेपाली महिला को फर्जी भारतीय पासपोर्ट का इस्तेमाल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई आव्रजन अधिकारियों की सतर्कता के चलते संभव हो सकी। सहार पुलिस थाना क्षेत्र के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि पिछले सप्ताह यह महिला मस्कट जाने वाली उड़ान में सवार होने के लिए आव्रजन काउंटर पर पहुंची थी। उसने अपना नाम काजल बताया और भारतीय पासपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसमें उसका जन्म स्थान नोहरा, हिमाचल प्रदेश अंकित था। अधिकारी के अनुसार, महिला की शारीरिक बनावट और बोली से शक पैदा हुआ कि वह भारतीय नहीं है। संदेह होने पर उसे विस्तृत पूछताछ के लिए संबंधित अधिकारियों के पास भेजा गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह भारतीय नहीं बल्कि नेपाल की नागरिक है।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज प्रवेश मामला: सीएम उमर बोले- ऐसे में छात्र तुर्की-बांग्लादेश पढ़ने जाएंगे

जम्मू (एजेंसी)। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर उत्पन्न विवाद ने प्रदेश की राजनीति को गर्मा दिया है। भाजपा और कुछ दक्षिणपंथी संगठनों के विरोध के बाद राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि विरोधी पक्ष वास्तव में गैर-हिंदू छात्रों को संस्थान से बाहर रखना चाहता है, तो सरकार को इस कॉलेज को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर देना चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर ने चेतावनी देते हुए कहा, कि यदि ऐसी राजनीति जारी रही तो कश्मीरी छात्र बांग्लादेश या तुर्की जैसे देशों में पढ़ने को मजबूर हो जाएंगे। सीएम उमर का यह बयान ऐसे समय आया है, जबकि शिक्षण संस्थान में ज्यादा मुस्लिम छात्रों के प्रवेश को लेकर कुछ धार्मिक संगठनों ने विरोध दर्ज कराया था। इसके बाद दाखिले को लेकर धार्मिक पहचान को आधार बनाने वाली बात देशभर में बहस का विषय बन गई। वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अंतर्गत आता है, और विरोध करने वाले संगठनों का कहना है कि हिंदू-बहुल संस्थान में हिंदू छात्रों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बदलाव के संकेत: सीक्रेट डील के बाद माने सिध्दारमैया, अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनेंगे डीके?

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बीते कई दिनों से चल रही सियासी उथल-पुथल के बीच अब संकेत मिल रहे हैं कि एक सीक्रेट डील के बाद मुख्यमंत्री सिध्दारमैया मान गए हैं और राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार जल्द ही नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। हालांकि ऐसी सियासी अटकलों के बीच एक विधायक ने दावा कर दिया, कि शिवकुमार जल्द मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। हालांकि, मंगलवार को विधायकों ने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व अंतिम फैसला लेगा। साल 2023 में शिवकुमार और मौजूदा सीएम सिद्धारमैया के बीच हुए कथित समझौते के चलते राज्य में शीर्ष पद को लेकर रस्साकशी जारी है।

शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि वह मुख्यमंत्री बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर बात नहीं करना चाहते, क्योंकि यह पार्टी में चार-पांच लोगों के बीच एक गुप्त समझौता है, और उन्हें अपनी अंतरात्मा पर भरोसा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार समर्थक छह विधायकों का एक समूह रविवार रात आलाकमान से मिलने दिल्ली पहुंचा था और कुछ और विधायकों के जाने की उम्मीद है। 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के अपने पांच वर्षीय कार्यकाल के ढाई साल पूरा होने के बाद यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता साझेदारी समझौते का दावा किया जा रहा है। सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि वह पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट पेश करना जारी रखेंगे। रामनगर विधायक इकबाल हुसैन ने कहा कि सभी लोग आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे, साथ ही उन्होंने शिवकुमार के प्रमोशन पर भरोसा जताया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, मैं हमेशा उस बयान के साथ हूं...। 200 फीसदी वह जल्द ही सीएम बनेंगे। हाईकमान फैसला लेगा। जैसा कि हमारे नेता (शिवकुमार) ने कहा है कि सत्ता हस्तांतरण की सीक्रेट डील 5-6 पार्टी नेताओं के बीच हुई थी और वही 5-6 लोग फैसला लेंगे। मद्दुर से विधायक केएम उदय ने कहा कि विधायकों ने आलाकमान से मंत्रिमंडल फेरबदल के दौरान नए चेहरों और युवाओं को मौका देने का अनुरोध किया है और उन्हें संकेत मिले हैं कि इस पर विचार किया जाएगा। शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग पर उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व फैसला करेगा और सभी उसका पालन करेंगे।

मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मुद्दा फिर गरमाने की तैयारी, संतों के जरिए चलेगा अभियान

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को एक बार फिर जनता के बीच लाने की रणनीति तैयार हो रही है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस मुद्दे से सीधे तौर पर नहीं जुड़ेंगे, लेकिन संत समाज के माध्यम से इसे धार्मिक-सामाजिक आंदोलन का रूप देने की योजना है। हाल ही में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की दिल्ली से वृंदावन तक की विशाल पदयात्रा को इसी कड़ी का पहला कदम माना जा रहा है।

भाजपा और संघ ने वैचारिक स्तर पर अयोध्या के साथ-साथ काशी विश्वनाथ और मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि मुद्दे का हमेशा समर्थन किया है, लेकिन अयोध्या की तरह काशी-मथुरा को कभी पार्टी या संघ का आधिकारिक राजनीतिक-संगठनात्मक एजेंडा नहीं बनाया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों स्पष्ट किया था कि संघ के एजेंडे में सिर्फ अयोध्या था, मथुरा नहीं। फिर भी उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि कोई स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से ऐसे किसी आंदोलन से जुड़ता है तो वह स्वतंत्र है। सूत्रों का कहना है कि अब मथुरा के मुद्दे को अदालती प्रक्रिया के साथ-साथ संतों के जरिए जनजागरण के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। बागेश्वर बाबा की पदयात्रा से यह संकेत मिल गया है कि भगवान कृष्ण के नाम पर ब्रज क्षेत्र में लोगों की भावनाएं कितनी तीव्र हैं। यात्रा में बड़ी संख्या में संतों के साथ-साथ कई राजनेता भी शामिल हुए थे। अब इस भावना को व्यवस्थित रूप से कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के पक्ष में मोड़ा जा सकता है।

इस रणनीति का एक बड़ा लाभ यह भी है कि कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा यादव समाज को भी जोड़ सकता है, जो खुद को श्रीकृष्ण का वंशज मानता है। इससे समाजवादी पार्टी की राजनीतिक मुश्किलें बढ़ सकती हैं, क्योंकि उसका सबसे मजबूत आधार यादव वोट बैंक ही है। इसी क्रम में मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रज क्षेत्र में अपनी सक्रियता दिखाई। वे हेलीकॉप्टर से बरसाना पहुंचे और सबसे पहले माताजी गौशाला में गौसेवा की। इसके बाद रोपवे से राधारानी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और माथा टेका। वहां मौजूद संतों, भाजपा कार्यकर्ताओं और भक्तों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। गडकरी इसके बाद गुजरात के प्रसिद्ध कथावाचक पद्मश्री रमेश बाबा की चल रही भागवत कथा में शामिल हुए और उनसे आध्यात्मिक संवाद किया। उन्होंने कहा, ÷बरसाना केवल भक्ति का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का स्रोत भी है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को दिशा दे सकती है। ब्रज क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री की यह यात्रा और संतों से मुलाकातें भी आगामी दिनों में बन रही नई धार्मिक-सामाजिक समीकरण की ओर इशारा कर रही हैं।

बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर पीएमओ ने इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाने के दिए निर्देश

-मानदंडों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लगातार बढ़ते प्रदूषण के बीच सरकार कई कदम उठा रही है। कुछ दिन पहले ही राजधानी में ग्रैप-3 लागू किया है। अब पीएमओ ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिकारियों को दोहरी रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया है। पीएमओ ने एक उच्च-स्तरीय बैठक की, जिसकी अध्यक्षता पीएम के प्रधान सचिव ने की और प्रदूषण से निपटने के लिए कई सख्त निर्देश दिए। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब राजधानी की हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। पीएमओ ने अधिकारियों को दो मुख्य मोर्चों पर तेजी से काम करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि प्रदूषण फैलाने वाले और उत्सर्जन मानदंडों का उल्लंघन करने वाले सभी वाहनों की जांच और उन पर कार्रवाई की जाए। केंद्र सरकार दिल्ली की सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ाना चाहती है, इसलिए चर्चा का एक अहम हिस्सा ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार पर केंद्रित था। पीएमओ ने अधिकारियों को चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, चार्जिंग स्टेशन और सब्सिडी पर तेजी से प्रगति करने का निर्देश दिया। पीएमओ ने यह भी निर्देश दिया कि पारंपरिक पेट्रोल और डीज़ल वाहनों पर निर्भरता कम की जाए। यह कदम दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत दिल्ली के परिवहन को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा।

पुलिस हिरासत में मौतें व्यवस्था पर कलंक, अब बर्दाश्त नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पुलिस हिरासत में बढ़ती मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को कहा कि पुलिस कस्टडी में हिंसा और मौतें भारतीय न्याय प्रणाली पर एक कलंक है और अब देश इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। अदालत पुलिस थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी से जुड़े मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसे सर्वोच्च अदालत ने सितंबर में मीडिया रिपोर्ट के आधार पर स्वत-संज्ञान में लिया था।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, कि रिपोर्टों के अनुसार 2025 के पहले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत के दौरान 11 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 7 मामले केवल उदयपुर जिले से जुड़े थे। कोर्ट ने याद दिलाया कि 2018 में उसने स्पष्ट आदेश दिया था कि हिरासत के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इसी के साथ ही अदालत ने कहा, अगर पुलिस थानों में कैमरे ही नहीं चल रहे, या लगे ही नहीं हैं, तो यह आदेश की सीधी अवहेलना है। हिरासत में मौतें किसी भी सभ्य समाज में अस्वीकार्य हैं।

केंद्र से पूछा—अनुपालन हलफनामा कहाँ है?

सुनवाई के दौरान बेंच ने केंद्र सरकार से यह भी पूछा कि आज तक अनुपालन हलफनामा क्यों दाखिल नहीं किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र तीन सप्ताह के भीतर रिपोर्ट जमा करेगा। वहीं सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे, जो 2020 के एक अन्य मामले में अमिकस क्यूरी के रूप में सहायता कर रहे हैं, ने बताया कि केवल 11 राज्यों ने ही अब तक सीसीटीवी लगाने के संबंध में अनुपालन हलफनामा दिया है। न तो सभी राज्यों ने और न ही कई केंद्रीय एजेंसियों ने कोर्ट के आदेशों का पूर्ण पालन किया है।

सीबीआई, ईडी, एनआईए दफ्तरों में भी कैमरे अनिवार्य

कोर्ट ने याद दिलाया कि उसके 2020 के आदेश में सीबीआई, ईडी और एनआईए जैसी जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियों को भी मानवाधिकार मानकों का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सभी शेष राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन सप्ताह का समय दिया है। मामला अब 16 दिसंबर को फिर से सुना जाएगा। कोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि तब तक हलफनामा नहीं दिया गया, तो संबंधित राज्य/यूटी के गृह विभाग के प्रमुख सचिव को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

मां काली की मूर्ति को मदर मैरी की तरह सजाया, लोगों ने किया बवाल

-धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप, मंदिर का पुजारी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के चेंबूर में काली मंदिर में पूजा करने वाले लोगों ने देवी की मूर्ति को मदरमैरी जैसा दिखाने पर तोड़-फोड़ कर दी थी। पुलिस ने मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार कर लिया और जांच शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को अनिक गांव में हिंदू श्मशान घाट के अंदर बने कालीमंदिर में हुई। एक फोटो में देवी की मूर्ति को सुनहरे कपड़े पहने और सफेद सजावट वाला एक बड़ा मुकुट पहने और ऊपर एक खास सुनहरा क्रॉस लगा दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काली माता के विग्रह को मदर मरियम के रूप में श्रृंगार करने का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुजारी को गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उपनगरीय चेंबूर के मंदिर में काली माता की मूर्ति को मदर मैरी के रूप में दिखाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को मंदिर दर्शन करने गए श्रद्धालु यह देखकर दंग रह गए कि मां काली के विग्रह को ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह की माता जैसी पोशाक पहनाई गई है।

उन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और देवी की पोशाक में हुए बदलाव के बारे में बताया। अधिकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं ने जब मंदिर के पुजारी रमेश से इस बारे में पूछताछ की तो उसने दावा किया कि मां काली उसके सपने में आई थीं और उन्होंने ही उसे ''मां मैरी के रूप में उनका श्रृंगार करने'' का निर्देश दिया था। पुलिस ने बताया कि एक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पुजारी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसने बताया कि इसके बाद पुजारी को गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या घटना के पीछे कोई संगठित मकसद था या इसमें और लोग भी संलिप्त थे।

संपादकीय

शहादत का स्मरण

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकसर भुला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह ह्यऑपरेशन पवनह्ण की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है।

चिंतन-मनन

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे।

उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं।

कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें

नरेन्द्र भारती

समय के महत्व को समझें और अपनी महत्वकाक्षांओं को पूरा करें। समय एक अनमोल पूंजी है। समय को जिसने भी बरबाद किया समय ने उसे भी बरबाद कर दिया। समय किसी का इंतजार नहीं करता। समय का सदुपयोग करोगे तो सफलता हासिल करोगे अगर समय का दुरुपयोग किया तो धराशायी हो जाओगे। वक्त का पहिया जब घूमता है तो कंगाल होने में देर नहीं लगती। मानव को हमेशा अतीत का आईना देखते रहना चाहिए ताकि अहसास होता रहे कि ऐसे भी दिन थे दिन एक जून की रोटी नसीब नहीं होती थी आज जब समय बदला तो अपना गुजरा हुआ वक्त भूल रहा है। आदमी भले ही कितना बड़ा बन जाए अतीत की परछाईयां उसका दामन नहीं छोड़ती मरते दम तक साथ रहती हैं। । वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मयार्दा में रहकर ही हर काम करना चाहिए। आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए। किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है। समय के पास सबका लेखाजोखा है। मानव को समय से डरना चाहिए न जाने कब कैसा समय देखना पड़े। समय का मिजाज पता नहीं कब बदल जाए। समय ने बड़े से बड़े तानाशाहों को धूल चटा दी जो समय के खिलाफ चले थे मिटटी में मिल गए। आज मानव के पास अच्छा करने का समय ही नहीं है जबकि बुरा करने के लिए समय ही समय है। मानव कितन भी अमीर हो जाए अपना गुजरा हुआ समय नहीं खरीद सकता। आज लोग मोबाईल फोन पर समय बरबाद कर रहे है। चौबीसों घंटे सोशल मीडिया पर व्यस्त रहते है। समय की जिसने कदर की समय ने उसे उचाईयां दी है। मानव को चाहिए कि समय के हर एक मिनट और सैकंड व घंटों का सही सदुपयोग करे। जो समय के साथ निर्बाध गति से चला समय ने उसे मंजिल तक पहुंचाया है। समय से डरो अच्छे कर्म करो। जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए, खासकर उन्हें जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। समय मानव को कई रंग दिखाता है। समय -समय पर मानव की परीक्षा लेता रहता है। समय का सही मायने में सम्मान करो। समय अनमोल है व दुर्लभ है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है। वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए। ताकि विपतोयो का अहसास होता रहे। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। समय यही सिखाता है कि किसी का समय बरबाद मत करो। समय कीमती है जिसने समय की कीमत जान ली है वह हर जगह सफल होता है। आज अच्छाई के लिए समय नहीं है। बुराई के लिए हर समय तैयार है। समय एक जैसा नहीं रहता आज अच्छा है कल का पता नहीं होगा। समय को पहचानो तभी समय आपको एक अलग पहचान देगा। समय रेत की तरह हर पल फिसल रहा है समय को बांधा नहीं जा सकता यह अटल सत्य है। समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है। समय के पाबंद बने। अगर समय के साथ नहीं चलोगें तो पिछड़ जाओगें। समय का प्रबंधन करें। समय सारणी बनाएं और हर पल का फायदा उठाएं। समय का सदुपयोग करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएं। समय सबसे बड़ा गुरु है।

हिंदी में शपथः नए भारत की भाषाई चेतना का निर्णायक उद्घोष

ललित गर्ग

भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और मनोवैज्ञानिक चेतना का नया शुभारंभ है। यह वह क्षण है जिसने भाषा को लेकर दशकों से चले आ रहे संकीर्ण विवादों, राजनीतिक विरोधाभासों और कृत्रिम विभाजनों पर एक गहरी चोट की है। हिंदी में शपथ का यह निर्णय राष्ट्रीय मानस में इस भावना को पुनः स्थापित करता है कि भाषा का प्रश्न केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक है। यह निर्णय उस विरोधाभास पर भी प्रकाश डालता है जिसमें विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी को अपने ही देश में सबसे अधिक उपेक्षा, संकोच और राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ता रहा है।

भारत में भाषा सदैव राजनीति का एक सुविधाजनक औजार रही है। कुछ दशकों से चले आ रहे भाषाई आंदोलन और हिंदी-विरोधी राजनीति ने देश की एकता को अक्सर चुनौती दी है। क्षेत्रवाद की आड़ में कुछ राजनीतिक दलों ने हिंदी को एक क्षेत्र विशेष की भाषा बताकर उसका महत्व कम करने का प्रयास किया। लेकिन यह तर्क न तो व्यावहारिक था और न ही ऐतिहासिक। हिंदी किसी क्षेत्र की भाषा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के हृदय की भाषा है, जनमानस की अभिव्यक्ति है, भारत की आत्मा की धड़कन है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा हिंदी में शपथ लेना इस सत्य को पुनः उद्घाटित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाएँ केवल कानून और प्रशासन की रक्षा ही नहीं करतीं, बल्कि भारतीयता और राष्ट्रीय अस्मिता को भी नई दिशा देती हैं। यह कदम यह संदेश देता है कि नई पीढ़ी की संस्थाएँ अब संकोच नहीं, आत्मविश्वास के साथ भारत की भाषा में अपने कर्तव्यों की शुरूआत कर रही हैं।

हिंदी को लेकर जो विरोधाभास पैदा किया जाता रहा है, वह वास्तव में एक कृत्रिम एवं आग्रह-दुराग्रहपूर्ण द्वंद्व है। आज के वैश्विक दौर में भाषा का महत्व उसकी लोकस्वीकृति और उपयोगिता से तय होता है। हिंदी वैश्विक भाषाओं की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ रही है। करीब 113 करोड़ के साथ अंग्रेजी पहले स्थान पर है. 111 करोड़ के साथ चीनी दुसरे स्थान पर है,इसके बाद हिन्दी का स्थान आता है। करीब 61.5 करोड़ विश्व में, हिन्दी को बोलने वाल लोगों की संख्या के आधार पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा का स्थान प्राप्त है। हिंदी का प्रभाव विश्व में बढ़ रहा है और यह सोशल मीडिया व संचार माध्यमों में भी लगातार उपयोग हो रही है। दुनिया भर के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। देवनागरी लिपि को दुनिया की सबसे वैज्ञानिक लिपियों में से एक माना जाता है। भारत सरकार की पहल के बाद से, संयुक्त राष्ट्र ने भी साप्ताहिक हिंदी समाचार बुलेटिन शुरू किया है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, मोरिशस, दक्षिण अफ्रीका, खाड़ी देशों और यूरोप में हिंदी सीखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विश्व के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद अध्ययन का विस्तार हुआ है। हिंदी फिल्में, वेब प्लेटफॉर्म और मीडिया विश्व संस्कृति पर गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं। यह वह समय है जब हिंदी वैश्विक मंच पर उभर रही है, लेकिन अपने ही देश में उसे राजनीति और संकीर्णताओं का शिकार होना पड़ रहा है। यही वह असंगति है जिसे न्यायमूर्ति सूर्यकांत की शपथ ने बड़े सौम्य किंतु तीव्र संदेश के साथ उजागर किया है कि जब दुनिया हिंदी को सम्मान दे रही है तो भारत में उसकी उपेक्षा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

राष्ट्रीय प्रतीक केवल वस्तुएँ नहीं होते, वे राष्ट्र की चेतना के वाहक होते हैं। राष्ट्रध्वज केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं, करोड़ों लोगों के स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। राष्ट्रगान केवल धुन नहीं, बल्कि भारत की समष्टिगत भावना का सूत्र है। उसी प्रकार राष्ट्र की भाषा-चाहे उसे हम राजभाषा कहें या राष्ट्रभाषा भारतीय पहचान और राष्ट्रीय एकता का अदृश्य धागा है। नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब हम इन प्रतीकों का सम्मान केवल संविधान की धाराओं में नहीं, बल्कि हृदय में करें। हिंदी को लेकर जो संकोच, झिझक और कृत्रिम विरोध दशकों से बना हुआ था, वह राष्ट्रीय आत्मविश्वास के लिए बाधक था। हिंदी में शपथ लेकर न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने इस मानसिक दरार को पाटने में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में हिंदी को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का साहसिक कार्य किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा से लेकर ब्रिक्स, जी-20 और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने हिंदी में संबोधन देकर दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी भाषा को लेकर हिचकता नहीं, बल्कि गर्व करता है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देकर ऐतिहासिक परंपरा की शुरूआत की थी। उनकी वाणी में हिंदी केवल शब्द नहीं थी, बल्कि भारत की आत्मा की ध्वनि थी। नरेंद्र मोदी ने इस परंपरा को राष्ट्रीयता, आधुनिकता, आत्मविश्वास और वैश्विक उपस्थिति के साथ आगे बढ़ाया है। उन्हें यह समझ थी कि भाषा राष्ट्रीय चेतना की नींव होती है, और जिस राष्ट्र को विश्व नेतृत्व की आकांक्षा है, उसे अपनी भाषा पर गर्व करना ही होगा। जब राष्ट्र का प्रधानमंत्री अपनी भाषा को वैश्विक मंचों पर प्रतिष्ठा दिलाता है और जब राष्ट्र का प्रधान न्यायाधीश उसी भाषा में शपथ लेता है, तब यह संकेत मिलता है कि नए भारत की भाषा नीति संकोच नहीं, बल्कि स्वाभाविक भारतीयता की पुनर्स्थापना है।

हिंदी केवल भावनात्मक आग्रह नहीं है। यह शासन, न्याय, शिक्षा, प्रशासन, मीडिया और तकनीक की भाषा बनती जा रही है। डिजिटल इंडिया और नई तकनीकी क्रांति में हिंदी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। आज इंटरनेट पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली भाषाओं में हिंदी शीर्ष पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन अनुवाद और डिजिटल पत्रकारिता में हिंदी का उपयोग बढ़ाना भारत की ज्ञान-आर्थिक उन्नति के लिए अनिवार्य है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी भाषाई आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर करती है। जितनी अपनी भाषा मजबूत होगी, उतना ही विचार-निर्माण, नवाचार और जनसक्रियता मजबूत होगी। इस दृष्टि से हिंदी के प्रति उपेक्षा केवल सांस्कृतिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास को बाधित करने वाला संकीर्ण एवं राष्ट्र-विरोधी दृष्टिकोण भी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ वास्तव में एक वैचारिक उद्घोष है। यह घोषणा है कि भाषा को लेकर चलने वाला हमारा पुराना आत्मद्वंद्व समाप्त होना चाहिए। राष्ट्रभाषा का सम्मान किसी क्षेत्र या समुदाय पर थोपा हुआ बोझ नहीं, बल्कि वह प्राकृतिक बंधन है जो विविधता को सामूहिकता में बदलता है। यह वह बंधन है जो भारत को भारत बनाता है। यह वह अदृश्य

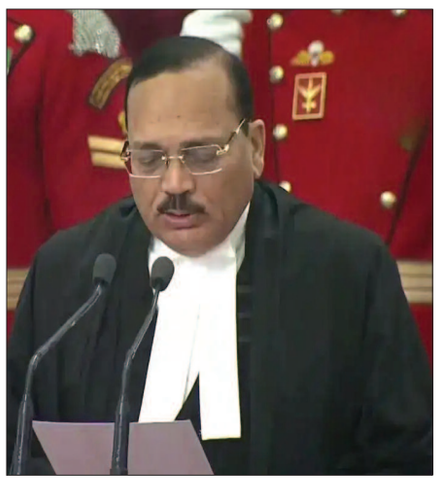

शक्ति है जो उत्तर से दक्षिण, पश्चिम से पूर्व और ग्रामीण से महानगरीय भारत को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है, व्यापार एवं विकास को गति देता है। हिंदी किसी पर थोपी जाने वाली भाषा नहीं, वह तो स्वयंस्फूर्त रूप से जनमानस की भाषा बन चुकी है। उसका विरोध अब एक राजनीतिक नाटक भर रह गया है जिसका वास्तविकता से कोई सरोकार नहीं। नए भारत ने अपने संकोचों को त्यागना शुरू कर दिया है। अपनी परंपराओं, अपने प्रतीकों और अपनी भाषा पर गर्व करना नया मानसिक स्वरूप बनता जा रहा है। न्यायपालिका से लेकर कार्यपालिका तक और वैश्विक मंचों से लेकर डिजिटल मंचों तक-हिंदी का सम्मान बढ़ रहा है। यह सम्मान न किसी के आदेश से आया है, न किसी दवाब से; यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से उठा है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत की हिंदी में शपथ नए भारत की सांस्कृतिक स्वाधीनता का प्रतीक बन गई है। यह उस स्वाभिमान का उद्घोष है कि भारत अब अपनी भाषा से संकोच नहीं करेगा। यह वह क्षण है जिसने भाषा के प्रश्न को संवैधानिक गरिमा और राष्ट्रीय चेतना के सर्वोच्च स्तर पर स्थापित कर दिया है। इस कदम ने यह सिद्ध कर दिया है कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा का प्रकाश है, एक ऐसा प्रकाश जो आत्मविश्वास, सांस्कृतिक प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय एकता की नई राहें रोशन कर रहा है। यही वह दिशा है जिसमें नया भारत आगे बढ़ रहा है-अपनी भाषा में, अपने स्वभाव में और अपनी अस्मिता में आत्मविश्वास से भरपूर।

संविधानः लोकतंत्र की आत्मा और सुशासन का आधार

भारत की आर्थिक प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

इसी संदर्भ में आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श भी गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं यह सभी मिलकर भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि ह्लप्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोयह्ल, यह भारतीय विचारधारा है।

भारतीय सनातन संस्कृति की विचारधारा के ठीक विपरीत आज वैश्विक बाजार शक्तियां भारत में भी उपभोक्तावाद को फैलाने का प्रयास कर रही हैं। विशेष रूप से दीपावली एवं रक्षाबंधन जैसे शुभ त्यौहारों के अवसर पर ह्लकुछ मीठा हो जाएह्ल जैसे विज्ञापन देकर यह विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता है कि भारतीय मिठाइयों एवं व्यंजनों जैसे जलेबी, इमरती तथा दूध एवं खोए से बनी मिठाईयां खाने से मधुमेह का रोग हो जाता है, अतः सदियों से भारत में उपयोग हो रहे इन स्वादिष्ट व्यंजनों के स्थान पर केडबरी चाकलेट अधिक स्वास्थ्यवर्धक है, जिसका अधिक उपयोग करना चाहिए। इस प्रकार, भारी भरकम राशि खर्च कर, विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा निर्मित मीठे पदार्थों को, विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से भारतीय समाज के मानस पर उतारने का प्रयास किया जाता है। साथ ही, विभिन्न भारतीय त्यौहारों के समय वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा यह भी कह कर कि, ह्लदीपावली के शुभ अवसर पर जलाए जाने वाले फटाके पर्यावरण का नुक्सान करते हैंह्ल; ह्लहोली पर्व पर भारी मात्रा में पानी की बबार्दी की जाती हैह्ल; ह्लमहाशिवरात्रि पर्व पर दूध की बबार्दी की जाती हैह्ल; ह्लमाई बॉडी माई चोईसह्ल; ह्लहमको भारत में रहने में डर लगता हैह्ल; आदि विमर्श स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। कुल मिलाकर पश्चिमी देशों द्वारा आज भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित हिन्दू परम्पराओं पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।

भारतीय सनातन संस्कारों के अनुसार भारत में कुटुंब को एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्वीकार किया गया है एवं भारत में संयुक्त परिवार इसकी परिणती के रूप में दिखाई देते है। परंतु, पश्चिमी आर्थिक दर्शन में संयुक्त परिवार लगभग नहीं के बराबर ही दिखाई देते हैं एवं विकसित देशों में सामान्यतः बच्चों के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही, वे अपना अलग परिवार बसा लेते हैं तथा अपने माता पिता से अलग मकान लेकर रहने लगते हैं। इस चलन के पीछे संभवत आर्थिक पक्ष इस प्रकार जुड़ा हुआ है कि जितने अधिक परिवार होंगे उतने ही अधिक मकानों की आवश्यकता होगी, कारों की आवश्यकता होगी, टीवी की आवश्यकता होगी, फ्रिज की आवश्यकता होगी, आदि। लगभग समस्त उत्पादों की आवश्यकता इससे बढ़ेगी जो अंततः मांग में वृद्धि के रूप में दिखाई देगी एवं इससे इन वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। ज्यादा वस्तुएं बिकने से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी। कुल मिलाकर इससे आर्थिक वृद्धि दर तेज होगी। विकसित देशों में इस प्रकार की मान्यताएं समाज में अब सामान्य हो चलीं हैं। अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में भी प्रयासरत हैं कि किस प्रकार भारत में संयुक्त परिवार की प्रणाली को तोड़ा जाय ताकि परिवारों की संख्या बढ़े एवं विभिन्न उत्पादों की मांग बढ़े और इन कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री बाजार में बढ़े। इसके लिए बहुराष्ट्रीय कम्पनियां इस प्रकार के विभिन्न सामाजिक सीरियलों को बनवाकर प्रायोजित करते हुए टीवी पर प्रसारित करवाती हैं जिनमे संयुक्त परिवार के नुक्सान बताए जाते हैं एवं छोटे छोटे परिवारों के फायदे दिखाए जाते हैं। सास बहू के बीच, ननद देवरानी के बीच, दो बहिनों के बीच, पड़ोसियों के बीच, छोटी छोटी बातों को लेकर झगड़े दिखाए जाते हैं एवं जिनका अंत परिवार की टूट के रूप में बताया जाता है, ताकि भारत में भी पूंजीवाद की तर्ज पर व्यक्तिवाद को बढ़ावा मिल सके। भारत एक विशाल देश है एवं विश्व में सबसे बड़ा बाजार है, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां यदि अपने इस कुचक्र में सफल हो जाती हैं तो उनकी सोच के अनुसार भारत में उत्पादों की मांग में बेतहाशा वृद्धि हो सकती है, इससे विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को सीधे सीधे फायदा होगा। इसी कारण के चलते आज जोर्ज सोरोस जैसे कई विदेशी नागरिक अन्य कई विदेशी संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के साथ मिलकर भारतीय संस्कृति पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं एवं भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं।

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं।

अब हम समस्त भारतीय नागरिकों को वैश्विक बाजार शक्तियों द्वारा फैलाए जा रहे उक्त वर्णित जाल में नहीं फंसते हुए, हमारे अपने भारतीय व्यंजनों का भरपूर आनंद उठाते हुए अपनी भारतीय परम्पराओं का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। हमें अपने जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपयोग करना चाहिए चाहे वह तुलनात्मक रूप से थोड़ा महंगा ही क्यों न हो। उदाहरण के तौर पर हमारे जीवन में रोजाना उपयोग होने वाले कुछ उत्पादों के नाम यहां पर दिए जा सकते हैं, जिनका उत्पादन सदियों से भारत में ही पर्याप्त मात्रा में होता चला आया है। केवल और केवल भारतीय कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग एवं विदेशी कम्पनियों द्वारा निर्मित इन उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ ली जानी चाहिए। जैसे, नहाने का साबुन, कपड़े धोने का साबुन, सौंदर्य प्रसाधन औषधियां, टुथथपेस्ट दंतमंजन टुथब्रश, दाढ़ी का साबुन ब्लेड्स रेजर, बिस्किट चाकलेट दुग्ध उत्पाद ब्रेड, चाय काफी, शीतपेय शरबत चटनी अचार मुरब्बा, आइसक्रीम खाद्यतेल खाद्य पदार्थ, विद्युत उपकरण गृहोपयोगी वस्तु घड़ियां, लेखन सामग्री, जूते चप्पल पोलिश, तैयार कपड़े, कम्प्यूटर लैपटॉप एवं उपकरण, टेलिकॉम उपकरण, बाम और मरहम, दो पहिया वाहन, चार पहिया वाहन, स्वचालित वाहन एवं मोबाइल फोन आदि। जब भी बाजार जाएंगे, सामान स्वदेशी ही लाएंगे जैसे तथ्यों को आत्मसात करना चाहिए। इससे न केवल चीन बल्कि अमेरिका को भी संदेश जाएगा कि भारत अब कई क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो चुका है तथा वैश्विक स्तर पर भारत अब इनके दबाव में आने वाला नहीं है।

डीएम ने विधानसभा धनौरा में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01जनवरी 2026 के आधार पर जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा धनौरा विधानसभा के ज्ञान भारती इंटर कॉलेज के बूथ के भाग संख्या 216 एवं 219, प्राथमिक विद्यालय फाजलपुर के भाग संख्या 222 एवं 223 और शिव इंटर कॉलेज गजरौला के भाग संख्या 226 से 232 तक पर बीएलओ एवं सहायकों द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बीच में तहसील धनौरा पहुंचकर शत प्रतिशत फॉर्म डिजिटाइज करने वाले धनौरा के 02 बीएलओ को शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। आज सम्मानित होने वालों में जनपद की 39-विधानसभा क्षेत्र धनौरा के मतदेय स्थल संख्या 83 कन्या संविलयन विद्यालय शहबाजपुर गुर्जर की बूथ लेवल ऑफिसर ज्योति सिंह, सहायक अध्यापक ने कुल 453 मतदाताओं में से 453 और विधानसभा क्षेत्र धनौरा के मतदेय स्थल संख्या 156 संविलयन विद्यालय खाईखेड़ा खेड़ा खादर कक्ष-1 के बूथ लेवल ऑफिसर श्री मनिकांत, रोजगार सेवक ने कुल 712 मतदाताओं में से 712 मतदाताओं के गणना पत्र वितरण व संकलित किए बल्कि बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइज भी कर दिए। इसी के साथ ही जिलाधिकारी ने सभी सम्मानित बीएलओ की सराहना करते हुए कहा कि इनके द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में अन्य सभी संबंधित कार्मिकों को भी इसी उत्साह, लगन एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 हेतु गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जिसे जनपद में पूरी गंभीरता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न किया जा रहा है। इसी क्रम में विधानसभा नौगांवा क्षेत्र के भाग संख्या 260 की बीएलओ श्रीमत पप्पी रानी (आंगनबाड़ी कार्यकत्री) को गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने पर 25 नवंबर 2025 को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पहले ही सम्मानित किया जा चुका है। निरीक्षण में बी०एल०ओ० द्वारा गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण की स्थिति, कलेक्शन, डिजिटाइज, बुक ए कॉल विद बी०एल०ओ० के निस्तारण की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एसआईआर में गणना प्रपत्र को बीएलओ एप पर डिजिटाइज करने के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिए। जहां प्रगति कम थी उन बूथ पर बीएलओ को विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित भी किया। सभी बीएलओ को यह निर्देश दिए कि प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर घर घर जाकर अधिक से अधिक फार्म कलेक्ट करने है उनको सहायक द्वारा बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड करवाना है, तथा साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा गणना पत्रों को मतदाता से कलेक्ट करना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि समय से कलेक्शन करें, तय समय सीमा के अंदर कार्य को संपन्न कराया जाए। निर्देश दिए कि फॉर्म भरने में कोई गलती न हो। इसके साथ ही गणना प्रपत्र भरने हेतु मतदाताओ को सहयोग प्रदान किया जाए। जिलाधिकारी ने नाम खोजने के लिए भी कार्मिक की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए,

जिससे मतदाताओं को 2003 की लिस्ट में अपना और संबंधी का नाम खोजने में कोई दिक्कत न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर शशिभूषण पाठक, अधिशासी अधिकारी गजरौला ललित कुमार आर्य सहित संबंधित सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया और डबल लॉक एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को देखा। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये। अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

ऑपरेशन क्लीन 2 के अन्तर्गत थाना मण्डी धनौरा में कुल 07 लावारिस वाहन किए गए निलाम

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 249 वाहनों की नीलामी कर 28,83,160/- का किया गया राजस्व प्राप्त

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं। इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं । जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/ 2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है। बुधवार को क्षेत्राधिकारी धनौरा अभिषेक यादव, प्रभारी थाना धनौरा बालेन्द्र सिंह, नयाब तहसीलदार की गठित कमेटी द्वारा थाना मण्डी धनौरा में कुल 07 लावारिस वाहनो (07 मो0सा0) की नीलामी थाना मण्डी धनौरा परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी । जिससे नीलामी की धनराशि कुल रु25,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 249 वाहनों की नीलामी कर रु 28,83,160/- राजस्व प्राप्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा बीट आरक्षियों की बीट बुक चेक कर दिए गए दिशा निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक द्वारा आरक्षियों की बीट कार्य प्रणाली को और अधिक सुद्दढ करने हेतु समस्त थानों से आये बीट आरक्षियों की बीट बुक चेक कर बीट प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित रूप से अपनी बीट मे भ्रमण करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देश दिए गए आपको बता दें कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा बीट कार्य प्रणाली को और अधिक सुद्दढ करने हेतु प्रतिदिन पुलिस कार्यालय में प्रत्येक थाने से एक-एक बीट आरक्षी को बुलाकर उनकी बीट बुक चैक की जा रही है। जिसके क्रम में बुधवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानों से आये बीट आरक्षियों की बीट बुक चेक कर बीट प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित रूप से अपनी बीट मे भ्रमण करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी बीट पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने बीट क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता से सतत संवाद बनाएं। सूचनाओं का समय से संकलन करें तथा बीट बुक्स में सभी प्रविष्टियाँ पूर्ण, अद्यतन एवं प्रामाणिक रूप से दर्ज करें। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी पारदर्शी और उत्तरदायी कार्यशैली से जनता का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक सुद्दढ़ होगा।

जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार गांव गांव जाकर तेजी के साथ चल रहा रक्फ़का कार्य

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देश अनुसार जनपद भर में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन नामावलियों का विशेष पुनरीक्षण का कार्य तेजी के साथ चल रहा है। जिसके लिए अमरोहा जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा कार्य में और भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। जिनको पूर्ण करने के लिए बीएलओ एवं उनके सहायकों द्वारा जनपद भर में गांव-गांव जाकर पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। पुनरीक्षण के कार्य को पूर्ण करने के लिए संबंधित क्षेत्र के बीएलओ के साथ ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव सहित जनपद के अन्य कर्मचारी भी इस कार्य को उत्साह लग्न एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने में लगे हुए हैं। पुनरीक्षण का यह कार्य बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज्ड कर पूर्ण किया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा पुनरीक्षण के कार्य को महत्वपूर्ण बताने के निर्देश अनुसार इस कार्य को कर्मचारियों द्वारा गंभीरता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न करने की हर मुमकिन कोशिश की जा रही है। जिलाधिकारी के निर्देश अनुसार बीएलओ अपने सहयोगियों के साथ प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर घर-घर जाकर अधिक से अधिक फॉर्म कलेक्ट करने में लगे हुए हैं साथ ही उनको बीएलओ एप पर भी डिजिटाइज्ड करवाया जा रहा है। एस आई आर के कार्य को समय सीमा की अवधि के अंदर पूर्ण करने के लिए

अमरोहा जिला अधिकारी ने भी लोगों से बीएलओ एवं उनके सहयोगियों सहयोग करने की अपील की है।

उप नगर आयुक्त ने भारत के संविधान की मूल प्रस्तावना का पाठ के साथ पालिका कार्मिको को शपथ

अमरोहा (सब का सपना):- भारत के संविधान दिवस (26 नवम्बर) के उपलक्ष मे नगर पालिका परिषद अमरोहा मे उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा भारत के संविधान की मूल प्रस्तावना का पाठ के साथ पालिका कार्मिको को शपथ दिलाई गयी। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की शासन द्वारा इस संविधान दिवस 26 नवम्बर 2025 के अवसर पर "हमारा संविधान - हमारा स्वाभिमान" थीम के अंतर्गत प्रदेश के समस्त जनपदों मे आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त के अनुपालन मे भारत के संविधान मे निहित लोकांचार और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को सुद्दढ किये जाने हेतु जनपद भर मे विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, इसी क्रम मे नगर पालिका परिषद अमरोहा मे आज भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया तथा पालिका कार्मिको को शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर समस्त पालिका स्टॉफ उपस्थित रहा।

जिलाधिकारी ने भारतीय संविधान में उल्लिखित संकल्प की उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई शपथ

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संविधान दिवस-2025 के उपलक्ष्य में लोक भवन, लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक शपथ पाठ का कार्यक्रम का सजीव प्रसारण का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव की तरह मनाया जा रहा है। उन्होनें इस अवसर पर भारतीय संविधान में उल्लिखित संकल्प की उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिको को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढाने के लिए द्दढसंकल्प होकर एतद्वारा भारत के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है। जिलाधिकारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आहवान किया कि कानून सबके लिए समान होता है यह हमें संविधान से ही ज्ञात होता है हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए कि सभी को साथ न्याय मिले समाज के लोगों को यही उम्मीद रहती है कि किसी भी प्रकार का उनके साथ दुर्व्यवहार व अन्याय ना हो सके। उन्होनें कहा कि हमें भारत के संविधान में दिए गए मूल कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और देश में संप्रभुता, अखण्डता की रक्षा करनी चाहिए। उन्होनें कहा कि दुनिया भर के तमाम संविधानों को बारीकी से देखने-परखने के बाद डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार कर कर 26 नवंबर 1949 को इसे भारतीय संविधान सभा के समक्ष लाया गया। इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपना लिया। यही वजह है कि देश में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि जैसे परिवार के हित के लिये घर का मुखिया फैसला लेता है वैसे ही भारत के भविष्य, उन्नति की राह हमारा संविधान दिखाता है। हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसमें प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य, अधिकार का वर्णन है। विभिन्न धर्म, जाति, संस्कृति आदि को ध्यान में रखकर सभी के अधिकार निहित है। हमारे संविधान 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के उपरान्त वोट देने का अधिकार मिलता है। हमारे संविधान में महिलाओं के अधिकार पूर्ण निहित हैं। उन्होने कहा कि देश हित में संविधान में संशोधन होते रहते है। हमारे संविधान में जो अधिकार हमे प्राप्त है उनके द्वारा देश के विकास के लिये कार्य करें। इसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 8 दिन लग गए थे। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गरिमा सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इसे मनाने की मंशा पिछले इतिहास से सीखे कि संविधान का निर्माण में कितनी मेहनत लगी है संविधान के हर पहलू का महत्व रखते हुए बनाया गया है संविधान के मौलिक अधिकारों कर्तव्यों आदि के बारे में विस्तार से चर्चा किया कि हमें संविधान में जो भी मौलिक अधिकार दिए गए हैं उनके अपने जीवन में पालन करना चाहिए और जो भी मौलिक कर्तव्य संविधान में दिए गए हैं उनका पालन व संरक्षण अवश्य करना चाहिए संविधान में दिए गए मौलिक कर्तव्य और मौलिक अधिकार व्यक्ति को एक आदर्श जीवन व्यतीत करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ था। भारत का संविधान ही वह शक्ति है जिसने देश की विविधता को एकता में समाहित किया है। हम सब मिलकर संकल्प लें कि इस संविधान का पालन करते हुए देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाये रखने का सदैव प्रयास करते रहेंगे। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी चन्द्रकान्ता, अपर उप जिलाधिकारी शुभि गुप्ता, प्रसाशनिक अधिकारी उपेन्द्र नाथ त्रिवेदी सहित अन्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की मतदाताओं से महत्वपूर्ण अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) के दौरान गणना प्रपत्र भरने के लिए कुछ अराजक तत्वों द्वारा बूथ लेवल अधिकारी (BLO) या निर्वाचन विभाग का प्रतिनिधि बनकर मतदाताओं से मोबाइल नंबर पर ओटीपी (OTP) मांग रहे हैं। उन्होंने जनपद के सभी मतदाताओं को स्पष्ट रूप से कहा है कि एसआईआर (SIR) के गणना प्रपत्र को भरने की प्रक्रिया में बीएलओ द्वारा किसी भी प्रकार का ओटीपी नहीं मांगा जा रहा है। ऐसे मामलों में उन्होंने सभी मतदाताओं को पूरी तरह से सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां साइबर ठगी या धोखाधड़ी के अंतर्गत संदेहास्पद हैं। यदि किसी मतदाता से फोन कॉल, मैसेज या अन्य माध्यम से OTP मांगने का प्रयास किया जाता है तो ऐसी कॉल पर ध्यान न दिया जाए, न ही OTP साझा करें तथा ऐसी कॉल को तुरंत अस्वीकार कर दें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि एसआईआर (SIR) कार्य में लगे बीएलओ मतदाताओं के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र के वितरण एवं संग्रह का कार्य कर रहे हैं। गणना प्रपत्र भरने में भी सहयोग कर रहे है, मतदाता स्वयं भी गणना प्रपत्र भरकर अपने बीएलओ को उपलब्ध करा सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं को जागरुक करते हुए अपील की है कि एसआईआर (SIR) के दौरान सतर्क रहें एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देते हुए अपने बीएलओ से ही संपर्क करें। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही अपने गणना प्रपत्र को भरें। आपका सहयोग शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा और लोकतंत्र की मजबूती का आधार बनेगा।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
दिल्ली/अमरोहा
अमरोहा
गुरुवार 27 नवम्बर 2025
www.sabkasapna.com

प्राथमिक विद्यालय नूरियो सराय में भावना का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

सम्भल(सब का सपना):- प्राथमिक विद्यालय नूरियो सराय में कक्षा पांच की छात्रा भावना का जन्मदिन बुधवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस खुशी के मौके पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शालिनी, कक्षा अध्यापिका सुनिता तथा सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा अध्यापिका सुनिता ने बताया कि विद्यालय में हर महीने जिन बच्चों का जन्मदिन आता है, उनका जन्मदिन स्कूल परिवार मिलकर बड़े उत्साह से मनाता है। इससे बच्चों में आपसी प्रेम, सहयोग और खुशी का भाव बढ़ता है। बच्चे पूरे दिन उत्साहित और प्रसन्न रहते हैं। जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय की ओर से केक, मिठाइयाँ तथा अन्य खाद्य सामग्री मंगवाई गई, जिसे सभी बच्चों में वितरित किया गया। बच्चों ने केक काटा, गाना गाया और एक-दूसरे को बधाई दी। पूरा विद्यालय परिसर खुशी के रंग में रंग गया। इस आयोजन में प्रधानाध्यापिका शालिनी, कक्षा अध्यापिका सुनिता तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देखकर सभी शिक्षक भी गद्गद् हो गए। ऐसे आयोजन बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ स्कूल को एक परिवार की तरह जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया संविधान दिवस

संविधान खतरे में, भाजपा इसे खत्म करना चाहती है:- फिरोज खान

संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी ने संभल के सरायतरीन पक्का बाग स्थित पार्टी कार्यालय से संविधान दिवस धूमधाम से मनाया। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता एकत्र हुए और पक्का बाग अम्बेडकर पार्क पहुंचकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के बाद फिरोज खान ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा अगर बाबा साहेब का बनाया संविधान न होता तो आज देश का क्या हाल होता, किसी को पता नहीं। लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस संविधान को खत्म करना चाहती है। देश की हर सरकारी संस्था पर भाजपा ने कब्जा जमा लिया है। संविधान आज खतरे में है। उन्होंने आगे कहा, इंडिया गठबंधन सड़क से संसद तक संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। अखिलेश यादव ने पीडीए की मजबूत रणनीति बनाकर संविधान की रक्षा का संकल्प लिया है। जब तक न्यायपालिका जिंदा है, संविधान भी जिंदा रहेगा। हमें कोर्ट से अभी भी न्याय की उम्मीद है। कार्यक्रम में मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में संकल्प लिया कि संविधान बचाने की यह लड़ाई लंबी है और इसके लिए हर समाजवादी कार्यकर्ता पूरी ताकत से तैयार रहेगा। इस मौके पर मुख्य रूप से अकील खान, रामरहीस यादव, हाजी यासीन, अफरुद मोनिस, नादिर जबर सिंह यादव, गुलाम मुस्तफा, गौरव यादव, सलीम, अजय कुमार, सागर, सुहैल अली, अब्बास खान, आरिफ खान, विरेश यादव, राजेश यादव सहित सैकड़ों सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर सम्भल पुलिस ने ली संविधान की शपथ, एस पी ने दिलाई निष्ठा की प्रतिज्ञा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- संविधान दिवस के अवसर पर जनपद सम्भल में पुलिस विभाग द्वारा भव्य एवं गरिमामय शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने अपने कार्यालय बहजोई में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया तथा संविधान के प्रति निष्ठा, कर्तव्यपरायणता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की शपथ दिलाई। इसी क्रम में जनपद के सभी क्षेत्राधिकारियों ने अपने-अपने कार्यालयों तथा थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थानों पर तैनात पुलिस बल को संविधान के मूल्यों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता का पालन करने, नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने तथा अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा रखने की शपथ दिलाई।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम पुलिस बल में संवैधानिक दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने तथा आमजन के प्रति पारदर्शी, संवेदनशील और उत्तरदायी पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। संविधान दिवस के इस अवसर पर सम्भल पुलिस ने एक बार फिर देश के संविधान के प्रति अपनी अटूट आस्था और निष्ठा को दोहराया।

सम्भल में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन, महिलाओं-बच्चियों की सुरक्षा पर विशेष जोर

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जनपद में अपराध पर अंकुश और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से थाना रजपुरा क्षेत्र के अंतर्गत देवरी भूरा में नवीन पुलिस चौकी का उद्घाटन किया गया। जिलाधिकारी संभल राजेन्द्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अर्चना और वृक्षारोपण के बाद मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्थानीय बच्ची मनु राघव ने फीता काटकर पुलिस चौकी का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह पुलिस चौकी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के साथ-साथ महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा को और मजबूत करेगी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चौकी के खुलने से इलाके में पुलिसिंग और तेज होगी तथा लोगों को त्वरित राहत मिलेगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्ध, थानाध्यक्ष रजपुरा सहित अन्य पुलिस अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नई पुलिस चौकी के शुरू होने से देवरी भूरा एवं आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों में सुरक्षा की भावना और मजबूत हुई है।

किसानों ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी डिप्टी कलेक्टर को सौंपा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- संयुक्त किसान मोर्चा और भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय आह्वान पर लंबित किसानों के मुद्दों को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। 9 दिसंबर 2021 को भारत सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों को अभी तक लागू न किए जाने के विरोध में यह प्रदर्शन भारतीय किसान यूनियन टिकैत के प्रदेश प्रमुख महासचिव व प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश बिजेंद्र सिंह यादव तथा जिला अध्यक्ष मनपाल सिंह के नेतृत्व में हुआ।धरने के बाद किसानों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी/डिप्टी कलेक्टर को सौंपा, जिसमें एमएसपी को C2+50% के साथ कानूनी गारंटी, सभी फसलों की सरकारी खरीद, गन्ने का 500 रुपये प्रति क्विंटल भाव, व्यापक किसान ऋण माफी, बिजली बिल 2025 की वापसी, स्मार्ट मीटर और निजीकरण पर रोक, मनरेगा में 200 दिन काम व 700 रुपये दैनिक मजदूरी जैसी प्रमुख मांगें उठाई गईं। ज्ञापन में श्रम संहिताओं की वापसी, सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण पर रोक, 10,000 रुपये मासिक पेंशन, उर्वरक सब्सिडी बहाली, आपदाओं को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, जबरन भूमि अधिग्रहण रोकने और राज्यों के संघीय अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। किसानों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में कपास, डेयरी और अनाज क्षेत्र के हितों की सुरक्षा, FTA के खिलाफ सख्त रुख, PDS और FCI को मजबूत रखने तथा कृषि संकट और किसान आत्महत्याओं को रोकने के लिए MSP और राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित करने की मांग की। कार्यक्रम में चन्द पाल सिंह, रामवीर सिंह, उदयवीर सिंह, मुकेश यादव, महेश यादव, अमर सिंह राजपूत, राजपाल सिंह, दिनेश कुमार, पुरेन्द्र सिंह, राजू यादव, नेत्रपाल सिंह, किशनगोपाल प्रधान, के.पी. यादव, देवन यादव, राहत जहां, शिवनारायण सिंह, देशराज सिंह, अंकीत त्यागी समेत बड़ी संख्या में किसान साथी उपस्थित रहे।

अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) के निधन पर कलक्ट्रेट में शोक सभा, की गई आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंशिया की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रहे स्वर्गीय सतीश कुमार कुशवाहा की स्मृति में शोक सभा का आयोजन किया गया। लंबे समय से कैंसर से पीड़ित चल रहे कुशवाहा का 25 नवंबर को दिल्ली के एम्स में निधन हो गया था। शोक सभा में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा, डिप्टी कलक्टर वंदना मिश्रा, डिप्टी कलक्टर सौरभ कुमार पाण्डेय, उप निदेशक कृषि अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार सहित कलक्ट्रेट के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा ने बताया कि स्वर्गीय सतीश कुमार कुशवाहा मूल रूप से ग्राम खेमादेई, पोस्ट सलेमपुर, जिला देवरिया (उत्तर प्रदेश) के निवासी थे। उन्होंने 16 दिसंबर 2024 को मुजफ्फरनगर में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया था। वे अपनी पत्नी सावित्री कुशवाहा तथा दो पुत्रियों स्नेहा कुशवाहा व सुमेधा कुशवाहा के साथ मुजफ्फरनगर में रहते थे। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंशिया ने शोक प्रकट करते हुए कहा, हालांकि स्वर्गीय कुशवाहा को जनपद में कार्य करने के लिए बहुत कम समय मिला, लेकिन जितने भी समय वे यहाँ रहे, पूरी निष्ठा और दृढ़ता से अपने दायित्वों का निर्वहन किया। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। इस दुख की घड़ी में हम उनके परिजनों के साथ हैं और जहां भी सहयोग की आवश्यकता होगी, प्रशासन पूरा सहयोग करेगा। कलक्ट्रेट परिवार ने दिवंगत अधिकारी को याद कर गहरा शोक व्यक्त किया और परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न, आठ विवादों का निस्तारण, चार परिवार फिर से हुए एक

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की नियमित बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। इस दौरान पति-पत्नी के बीच हुए पारिवारिक एवं दांपत्य विवादों को सुलझाने के लिए काउंसलरों ने सक्रिय प्रयास किया। कुल 20 पत्रावलियों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें से आठ पत्रावलियों का सुलह-समझौते के आधार पर सफल निस्तारण कर दिया गया। सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि चार परिवारों को फिर से एकजुट कराया गया। वहीं चार पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा आगे बल न देने के कारण बंद कर दी गईं। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, जिले के युवा समाजसेवी अमन खुराना सहित अन्य काउंसलरगण उपस्थित रहे। पुलिस की ओर से सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल रुचि पी.सी., सुधारानी आदि स्टाफ मौजूद रहा। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई द्वारा शुरू की गई इस पहल से जहां एक ओर पारिवारिक विवादों का कोर्ट-कचहरी के बाहर शांतिपूर्ण निस्तारण हो रहा है, वहीं टूटते परिवारों को जोड़ने में भी उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

दिल्ली से गांव लौट रहे युवक की बुग्गी से भिड़ंत, गंभीर रूप से घायल

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में कठेरिया पेट्रोल पंप के पास बुधवार सुबह एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर बुग्गी से जा टकराई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान विपिन (25) पुत्र विशन दयाल, निवासी रुस्तमपुर, थाना पटियाली, जिला कासगंज के रूप में हुई है। पूछताछ में विपिन ने बताया कि वह दिल्ली से मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहा था। चंदौसी में कलअपने दोस्त की शादी में सम्मिलित होना था। किसी राहगीर ने 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल विपिन को तुरंत सीएचसी बहजोई पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चोटों की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां उसका इलाज जारी है। क्षेत्र में सुबह के समय कोहरा और तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त बीएलओ को दिये निर्देश शीघ्र ही करें मतदाता सूची का डिजिटलाइजेशन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विधानसभा सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अन्तर्गत जनपद में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में गणना प्रपत्रों के वितरण/ संग्रहण, डिजिटलाइजेशन आदि कार्य चल रहे हैं। जिलाधिकारी द्वारा तहसील सभागार गुन्नौर में एसआईआर के कार्यों डिजिटलाइजेशन फीडिंग की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की जिलाधिकारी ने डिजिटलाइजेशन के कार्यों में मतदाता सूची को 20 प्रतिशत से कम डिजिटाइज्ड करने वाले बीएलओ के साथ वार्ता की तथा प्रगति बढाने के निर्देश दिए।उन्होंने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही शत प्रतिशत मतदाता सूची के डिजिटलाइजेशन का कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें।इसके उपरांत जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा एवं मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत ग्राम मलिकपुर की कक्षा 9 की छात्रा कु. मनी राघव द्वारा थाना रजपुरा के अन्तर्गत पुलिस चौकी देवरा भूरा का विधि विधान से मंत्रोच्चारण एवं पूजा अर्चना कर तथा फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू एवं खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत एवं खण्ड विकास अधिकारी जुनावई अखिलेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी रजपुरा डॉ आदेश कुमार,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा नायब तहसीलदार गुन्नौर अनुज कुमार, एवं संबंधित अधिकारी, संबंधित थाना अध्यक्ष एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता माह एमजीएम कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने लिया सड़क सुरक्षा का संकल्प

संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत संभल पुलिस द्वारा जिलेभर में चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के क्रम में बुधवार को एमजीएम कॉलेज, संभल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।kयातायात पुलिस की टीम ने छात्रों को सड़क संकेतकों का अर्थ, यातायात नियमों का पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट की अनिवार्यता, ओवर स्पीडिंग के खतरों तथा सुरक्षित ड्राइविंग के टिप्स के बारे में विस्तार से समझाया। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी जागरूकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से शपथ ली कि वे स्वयं सभी यातायात नियमों का पूर्ण पालन करेंगे, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य रूप से करेंगे तथा अपने परिवारजनों, मित्रों और समाज में सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाएंगे। यातायात पुलिस ने बताया कि जिले में लगातार स्कूल-कॉलेजों एवं प्रमुख चौराहों पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि सड़क सुरक्षा हर व्यक्ति की दिनचर्या का हिस्सा बन सके और सड़क हादसों में कमी लाई जा सके।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी, (अमरोहा)

पत्रांक. 3070/पंचम राज्य वित्त/15 वां वित्त/2025-26 दिनांक 27/11/2026

निविदा विज्ञप्ति

वित्तीय वर्ष 2025-26 में कार्यदायी संस्था क्षेत्र पंचायत गंगेश्वरी के द्वारा 15वाँ वित्त आयोग एवं पंचम राज्य वित्त आयोग योजना की धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग/सिचाई विभाग/ग्रामीण अभियन्त्रा विभाग/जिला पंचायत/अन्य केन्द्र व राज्य सरकार के कार्यदायी विभागों में पंजीकृत निविदाताओं से मैनुअल विधि के माध्यम से प्रतिशत के आधार पर निम्नलिखित कार्यों हेतु मौहरबन्द निविदायें दिनांक 05.12.2025 की दोपहर 1:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो उसी दिन अपरान्ह में 4:00 बजे निवदादाताओं तथा निविदा खोलने के लियें अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता म गठित समिति के समक्ष खोलीं जायेंगी। यदि उस दिनांक 05.12.2025 का सार्वजनिक अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में दोपहर 12:00 बजे खोंली जायेंगी। निविदा की आवश्यक शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ संग्लन होंगी तथा निविदा प्रपत्र एवं आवश्यक शर्ते विज्ञापन की तिथि से दिनांक 04.12.2025 तक प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से 5:00 बजे तक कार्यालय समय में खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के आंकिक पटल से खरीदी जा सकती है तथा नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा एक से अधिक कार्यों के लियें निवादा डाल सकता है। कार्यो का विवरण निम्नवत हैः-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू०)	धरोहर राशि (रू०)	टेडर की धनराशि (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	योजना का नाम
1	ग्राम शकरौली में रामदास के मकान से हरि सिंह के खेत की ओर सी०सी०/इ०ला०टा० का निर्माण कार्य।	980700	19614	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
2	ग्राम जयतौली में पी०डब्लू रोड से मुसाहीद के मकान तक सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	995500	19910	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
3	ग्राम इकौना में रामवीर के मकान से हेतराम के मकान तक सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	994900	19898	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
4	ग्राम दरियापुर मे वेदप्रकाश के मकान से जितेनद्र के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	996000	19920	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
5	ग्राम खैलिया खालसा में नरेश के मकान से नन्हें के मकान की ओर सी०सी० नाली निर्माण कार्य।	999500	19990	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
6	ग्राम गंगवार में पी०डब्लू रोड से साईद के मकान की ओर सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	999500	19990	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
7	ग्राम पुरसल में प्रेमसिंह के मकान से पक्की रोड की ओर खडंजा निर्माण कार्य।	875400	17508	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
8	ग्राम खैलिया पटटी में नरेश के मकान से प्रेमपाल के मकान की ओर सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	992100	19842	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
9	ग्राम बुरावली में साईद के मकान से मुसाहीद के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	994900	19898	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
10	ग्राम काई मुस्तकम मे मन्दिर के पास इ०ला०टा० निर्माण कार्य।	833900	16678	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
11	ग्राम ढबारसी में रामलीला मैदान पर सामुदायिक शौचालय का निर्माण कार्य।	637300	12746	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
12	ग्राम दूल्हेपुर अहीर में टंकी से तालाब की ओर सी-०सी० नाला का निर्माण कार्य।	986600	19732	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
13	विकास खण्ड परिसर में मनरेगा सेल व आवास के सामने सी०सी० निर्माण कार्य।	999300	19986	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
14	ग्राम गरगज में दौरारा से गरगज की ओर खडंजा निर्माण कार्य।	918200	18364	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
15	ग्राम फत्तेहपुर खादर में टीकाराम के खेत से रामनिवास के मकान की ओर सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	999500	19990	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
16	ग्राम सीतला सराय में रामेश्वर के मकान से छोटेलाल के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	996000	19920	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
17	ग्राम कुटीदौलतपुर में आदर्श इन्टर कॉलिज के पास सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य।	637300	12746	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
18	ग्राम आदमपुर में/आसकपुर माजरा मे पीतम के मकान से हरिओम के प्लाट की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	999300	19986	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
19	ग्राम सीतला सराय मे राजबहादुर के मकान से राजू के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	996000	19920	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
20	ग्राम बुखारीपुर में महेन्द्र के मकान से देवेन्द्र के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	991600	19832	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
21	ग्राम आदमपुर में विजय की सोप से धर्मवीर के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	999300	19986	766	3 माह	3 माह	राज्य पंचम वित्त आयोग
22	ग्राम भोगपुरा में ठाकुर दास के मकान से रहरा की ओर खडंजा निर्माण कार्य।	963000	19260	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
23	ग्राम गुलामपुर में आशाराम के मकान से बसन्ता के मकान की ओर सी०सी० व नाली निर्माण कार्य।	996000	19920	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
24	ग्राम सिकन्दराबाद में प्रेम के खेत से तालाब की ओर सी०सी० व नाला निर्माण कार्य।	993100	19862	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
25	ग्राम बागडपुर छाइया में जगदीश के मकान से राजन्द्र के मकान तक इ०ला०टा० व नाली निर्माण कार्य।	720600	14412	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
26	ग्राम बिझलपुर में डाक्टर जितेन्द्र के मकान से कैलाश के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	994300	19886	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
27	ग्राम करनपुर खादर मे मे डम्बर के मकान से सिखापाल के मकान की और सी०सी० नाली निर्माण कार्य।	994100	19882	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
28	ग्राम तरौली में लखीराम से संजय के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	999900	19998	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
29	ग्राम ओगपुरा में नहर से स्कूल की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	349000	7370	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
30	ग्राम इमरतपुर में थान सिंह के मकान से मुकेश के खेत की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	811500	16230	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
31	ग्राम ढबारसी में मदरसे के पास इ०ला० सी०सी० निर्माण कार्य।	462000	9240	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
32	ग्राम इमरतपुर में मिथलेश कुमार शर्मा के मकान से ओमप्रकाश के मकान तक सी०सी० निर्माण कार्य।	185400	3708	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
33	ग्राम ईटा में छत्तरपाल के मकान से पप्पू के खेत की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	982200	19644	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
34	ग्राम ढबारसी में शिवानन्द के मकान से संजीव मेडिकल की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	993100	19862	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
35	ग्राम रूखालू में चरन सिंह के मकान से सामाजिक भूमि की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	980700	19614	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
36	ग्राम गंगाचौली/मिलक में सतीश के मकान से वनविभाग की ओर सी०सी० का नाल निर्माण कार्य।	993200	19864	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
37	ग्राम फूलपुर में सतपाल के मकान से बगद नदी की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	993100	19862	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
38	ग्राम बंसीवाला में धर्मसिंह क मकान से तालाब की ओर सी०सी० का नाला निर्मा कार्य।	980700	19614	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
39	ग्राम बंसीवाला में प्राथमिक स्कूल से ग्राम की ओर सी०सी० का नाला निर्माण कार्य।	980100	19602	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
40	ग्राम रहरा में मेन रोड से थाने की ओर तक इ०ला०टा० व नाली निर्माण कार्य।	804000	16080	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
41	ग्राम तलाबडा में गौशाला में पीलर व बउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	999200	19984	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
42	विकास खण्ड गंगेश्वरी में सोन्दर्यकरण निर्माण कार्य।	863700	17274	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
43	ग्राम आदमपुर में नूरवक्श के मकान से रहीश के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	305900	6118	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
44	ग्राम पथरा में रनवीर के मकान से लोकेश के मकान की ओर सी०सी० निर्माण कार्य।	329600	6592	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)
45	विकास खण्ड गंगेश्वरी में कार्यालय की रंगाई पुताई, मिटटी भराव सोन्दर्यकरण।	750000	15000	766	3 माह	3 माह	15वाँ वित्त आयोग (टाइड)

नोटः-निविदा अमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के कलोज के अनुसार शुद्ध पत्र जारी करने का अधिकार होगा तथा अधोहस्तक्षरी में निविदा को बिना कारण बतायें निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरिक्षत होगा।

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी, (अमरोहा)

जन चौपाल कूबी में मुख्य विकास अधिकारी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएँ

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कूबी में आयोजित जन चौपाल में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक अंबरीश, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। चौपाल में ग्राम के विकास की स्थिति चिंताजनक पाई गई। विद्युत विभाग का कोई भी कर्मचारी उपस्थित नहीं रहा, जिससे बिजली संबंधी शिकायतों पर चर्चा नहीं हो सकी। ग्रामीण नरदेव सिंह समेत कई लोगों की बिजली समस्या अनसुलझी रही। स्वास्थ्य विभाग से भी कोई अधिकारी नहीं आया। आशा कार्यकर्ता गीतांशु गुप्ता मौजूद तो थीं, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की और योजनाओं की पूरी जानकारी भी नहीं थी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रीति देवी ने बताया कि एक बच्चा कुपोषण का शिकार है, जो अभी मुरादाबाद में रह रहा है। केंद्र पर वजन मशीन आदि उपकरणों की कमी है। सीडीओ ने तत्काल उपकरण उपलब्ध कराने व बच्चों की साफ-सफाई पर ध्यान देने के निर्देश दिए। वहीं प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत इस वर्ष ग्राम पंचायत में कोई भी आवास स्वीकृत नहीं हुआ। मनरेगा में 224 जॉब कार्ड बने, 1889 मानव दिवस सृजन हुआ और 8 कार्य कराए गए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के 6 महिला समूहों में मिली राशि के उपयोग व आय वृद्धि की रिपोर्ट मांगी गई।

जिस पर पाया गया कि लाभ कुछ महिलाओं तक ही सीमित है, जिसको लेकर नियम अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए। फिलहाल मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी विभागों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए।

श्रीरामजानकी मठ कसया में धूमधाम से मना श्रीराम-जानकी विवाहोत्सव

संवाददाता

कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित श्रीराम जानकी मंदिर मठ पर विवाह पंचमी के पावन अवसर पर मंगलवार को देर शाम तक श्रीरामजानकी विवाहोत्सव उमंग, उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। मठ परिसर को मांगलिक चौक, रंगोली, प्रज्वलित दीपों, रंग-बिरंगे गुब्बारों तथा आकर्षक विद्युत झालरों से भव्य रूप से सजाया गया था। मठ के महंत त्रिभुवन शरण दास ने श्रीरामजानकी विवाह की महिमा का

वर्णन करते हुए कहा कि ह्लसिय रघुवीर विवाह जे सप्रेम गावहि-सुनहि, तिन्ह कह सदा उछाह मंगलायतन रामह्व, अर्थात्, श्रीरामजानकी विवाह प्रसंग का गायन और श्रवण जीवन में मंगलमयता का संचार करता है। मधुरिया के सिया शरण पाण्डेय, इन्द्रासन प्रसाद सन्त एवं सुभाष चन्द्र दूबे की अगुवाई में मांगलिक पदों की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। महिलाओं द्वारा विवाह गीत, रामजी को गारी गीत तथा लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस दिन अपनी वैवाहिक वर्षगांठ मना रहे मनीष कुमार गुप्ता एवं सविता गुप्ता की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर सुरेश तिवारी, काशीनाथ सिंह, त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव, सुरेश प्रसाद गुप्ता, रामदयाल पटेल, धनंजय तिवारी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष किरन जायसवाल, राकेश जायसवाल, डॉ० गौरव तिवारी, शिव वर्मा, मनीष चौरसिया, सावित्री देवी, गंगोत्री देवी, सीता देवी, गुड्डी मद्देशिया, खुशी, शिवानी, अंकिता, इंद्र कुमार मिश्र, अवधेश पाण्डेय, हृदयानंद पाण्डेय, आनन्द पाण्डेय, महातम प्रसाद, भोला मास्टर, दादू, डॉ० हरिओम मिश्र सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एनसीसी और राष्ट्रीय सेवा योजना कैडेट्स ने संविधान रक्षा का लिया संकल्प

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। एनसीसी और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित हुई। संगोष्ठी में प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ

बीरेंद्र कुमार ने संविधान की मौलिकता पर विमर्श प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संविधान में जो अंश अन्य देशों के हैं, वस्तुतः वे भी भारत के ही ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा रहे हैं। संगोष्ठी में डॉ भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्चन किया गया। डॉ सौरभ द्विवेदी ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया जिसे सबके द्वारा दोहराया गया। संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ निगम मौर्य ने किया। संगोष्ठी में डॉ पारस नाथ, डॉ गौरव तिवारी, डॉ जितेंद्र मिश्र, डॉ आशुतोष तिवारी, डॉ तेज प्रताप शुक्ल, डॉ रामनवल उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड की सबसे ऊंची चोटी पर 2 पर्वतारोहियों की मौत, 2 को बचाया

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की सबसे ऊंची चोटी आओराकी पर दो पर्वतारोहियों की मौत हो गई, जबकि उसी समूह के दो अन्य को बचा लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्र कमांडर इंस्पेक्टर विकी वॉकर ने बताया कि मृत पर्वतारोहियों के शव मिल गए हैं और विशेषज्ञ खोजकर्ता उन्हें 'एक चुनौतीपूर्ण अल्पाइन वातावरण में' खोजने के लिए काम कर रहे हैं। किसी भी पर्वतारोही की सार्वजनिक रूप से पहचान नहीं की गई है। सार्जेंट केविन मैकएरलेन ने द टिमारू हेराल्ड को बताया कि जब वे माउंट कुक के नाम से भी जाने जाने वाले आओराकी के शिखर के पास गिरे तो दोनों को एक रस्सी से बांध दिया गया था। स्थानीय समयानुसार सोमवार देर रात अधिकारियों को पता चला कि न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप पर स्थित इस पर्वत पर चार पर्वतारोहियों को मदद की जरूरत है। वॉकर ने बताया कि मंगलवार सुबह तड़के हेलीकॉप्टर से दो पर्वतारोहियों को बचा लिया गया। वे सुरक्षित थे। दो हेलीकॉप्टरों में खोजकर्ता रात भर अन्य पर्वतारोहियों की तलाश करते रहे, जो कुछ घंटों बाद मृत पाए गए।

स्लोवेनिया : जनमत संग्रह में खारिज हुई इच्छामृत्यु

ल्युब्ल्याना, एजेंसी। स्लोवेनिया के लोगों ने एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन खत्म करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक नतीजों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53% मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46% ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50% रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिमक ने कहा, करुणा की जीत हुई है। स्लोवेनिया ने जहर देकर मौत की नीति पर आधारित सरकारी स्वास्थ्य, पेंशन और सामाजिक सुधारों को अस्वीकार कर दिया है। यूरोपीय संघ (ईयू) के इस छोटे से देश की संसद ने यह कानून जुलाई में पारित किया था। पिछले वर्ष हुए एक गैर-बाध्यकारी जनमत संग्रह में लोगों ने इसका समर्थन किया था।

पाकिस्तान : खैबर पख्तूनख्वा में सुरक्षा बलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तीन अफगान आतंकवादियों को मार गिराया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर खैबर जिले के मदियांक क्षेत्र में यह अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई, जिसके परिणामस्वरूप तीन आतंकवादी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि मारे गए सभी आतंकवादी अफगान नागरिक थे, जो सीमा पार कर आए थे। उनके कब्जे से हथियार और गोलाबारूद बरामद किया गया। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान क्षेत्र में शांति बहाल करने तथा आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। इसके अलावा, दक्षिण वजीरिस्तान जिले में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के कारण हुए विस्फोट में एक युवा चरवाहे की मौत हो गई।

ब्राजील : प्राइड मार्च में बोल्सोनारो को जेल भेजने पर खुशी

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील में रियो डी जेनेरियो की सालाना 'प्राइड परेड' के लिए कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग जुटे और देश के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पूर्व एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा, बोल्सोनारो जेल में हैं। उन्होंने इसी खुशी में 'बोल्सोनारो बाहर जाओ' जैसे नारे भी लगाए। बोल्सोनारो को 2022 की चुनावी हार के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश करने के जुर्म में सितंबर में 27 वर्ष की सजा सुनाई गई थी।

फिलीपीन : फ्लड प्रोजेक्ट से जुड़े भ्रष्टाचार में सात और पकड़े गए

मनीला, एजेंसी। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण परियोजनों (फ्लड प्रोजेक्ट) से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सात और संदिग्धों को हिरासत में लिया है और अन्य की तलाश जारी है। लगभग 48 लाख डॉलर के घोटाले में स्थानीय कांग्रेस यानी संसद के कई पूर्व प्रतिनिधि और लोक निर्माण विभाग के एक दर्जन से अधिक अभियंता शामिल हैं। मामले के सामने आने के बाद गरीबी से जूझ रहे दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में एक बार फिर गुस्सा उबल रहा है।

पाकिस्तान ने आधी रात अफगानिस्तान में 3 एयरस्ट्राइक की

घर पर बमबारी में 10 लोगों की मौत, इनमें 9 बच्चे और एक महिला

काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। सोमवार रात को पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक नागरिक के घर पर बमबारी की, जिसमें 9 मासूम बच्चों और एक महिला की मौत हो गई। तालिबान सरकार ने इसे पाकिस्तानी आक्रमण करार देते हुए कड़ी निंदा की है। बताया जा रहा है कि यह हमला पेशावर में रविवार को हुए एक सुसाइड बॉम्बिंग के जवाब में किया गया, जिसमें पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों के मुख्यालय पर हमला हुआ था। मंगलवार को तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सोमवार देर रात करीब 12 बजे खोस्त प्रांत के गोरबुज जिले के मुगलगेई क्षेत्र में पाकिस्तानी हमलावर सेना ने एक स्थानीय नागरिक, वलियत खान (काजी मीर के बेटे) के घर पर बमबारी की। इस हमले में 9 बच्चे- 5 लड़के और 4 लड़कियां मारे गए। इस्लामिक अमीरात सरकार के डिप्टी स्पोक्सपर्सन हमदुल्ला फिरात ने बताया कि पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुनार और पक्तिका में एयर स्ट्राइक की, जिसमें चार आम नागरिक घायल हो गए।

कई घायल, सीमा क्षेत्रों में तनाव बढ़ा : एएफपी के अनुसार, कुनर और पक्तिका के सीमा इलाकों पर हुए अन्य हमलों में चार नागरिक घायल हुए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि आतंकवादी अफगान धरती से उसके खिलाफ हमलों की योजना बनाते और उनका संचालन करते हैं, जिसे तालिबान सरकार खारिज करती आई है।

हमलों के कुछ ही घंटों बाद हुई अहम मुलाकात : हमलों के बीच दोनों देशों के अधिकारियों के बीच कई महीनों बाद पहली उच्च-स्तरीय बातचीत हुई। डॉन अखबार के अनुसार, पाकिस्तान के कौंसुल जनरल (जलालाबाद) शफकतुल्लाह खान ने नंगरहार के गवर्नर मुल?ला मोहम्मद नईम अखुंद से मुलाकात की।

यह बैठक ऐसे समय हुई जब पाकिस्तान के पेशावर में फेडरल कॉन्स्टेबुलरी मुख्यालय पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें तीन कर्मियों की मौत हो गई और सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया। हमले ने सुरक्षा स्थिति को लेकर पाकिस्तान में चिंताएं और बढ़ा दी हैं।

तालिबानी मंत्री की भारत यात्रा : इस बीच, अफगानिस्तान के तालिबान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अल्हाज नूरुद्दीन आजीजी भारत की राजधानी नई दिल्ली में हैं। यह उनकी 5 दिवसीय यात्रा का हिस्सा है, जो 19 नवंबर को शुरू हुई। यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना है। भारत और अफगानिस्तान ने सोमवार को कपड़ा व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। अफगानिस्तान ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कपास उत्पादक देश के रूप में भारत की विशेषज्ञता का लाभ उठाने में रुचि जताई है। आर्थिक संबंध महानिदेशक शफीउल्लाह आजम के नेतृत्व में अफगानिस्तान के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कपड़ा मंत्रालय के व्यापार सलाहकार ए. बिपिन मेनन के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां बैठक की।

पाकिस्तान खुद भी सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा : यह हमला ऐसे समय हुआ जब पाकिस्तान खुद भी सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा था। इसी शाम पाकिस्तान के पेशावर शहर में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी मुख्यालय पर हमला हुआ। यह मुख्यालय सैन्य कैंट क्षेत्र के पास स्थित है। इस आत्मघाती हमले में 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर खुद को चादर से ढककर पहुंचा था। उसने चौकी पर पहुंचते ही खुद को उड़ा लिया। इसमें 3 पुलिसकर्मी मारे गए।

तनाव से तालमेल की ओर बढ़े भारत-कनाडा के रिश्ते, मंत्री बोलीं- व्यापार समझौते को फिर गति देने की तैयारी

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के रिश्तों में दो साल की तनातनी के बाद संबंध सुधरते नजर आ रहे है। जी20 में पीएम कार्नी और पीएम मोदी की बैठक के बाद दोनों देशों ने रुकी हुई ट्रेड डील बातचीत फिर शुरू करने पर सहमति जताई है। ऐसे में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने कहा कि कनाडा नई विदेश नीति के तहत भारत के साथ व्यापार को तेजी से आगे बढ़ाएगा, ताकि बदलते वैश्विक माहौल में आर्थिक साझेदारी मजबूत की जा सके।

विदेश मंत्री अनीता आनंद ने इस बात पर भी जोर दिया कि कनाडा और भारत जल्द ही नई व्यापारिक साझेदारी (ट्रेड डील) पर तेजी से काम आगे बढ़ाएंगे। पिछले दो साल से दोनों देशों के संबंध तनाव में थे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। आनंद ने बताया कि कनाडा ने अपनी विदेश नीति को भी बदला है, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड वॉर जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना किया जा सके।

भारत-कनाडा व्यापार का भविष्य : विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आगे कहा कि दोनों देश उम्मीद कर रहे हैं कि 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 50 अरब अमेरिकी डॉलर कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि कनाडा अभी भारत का सातवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारत में महत्वपूर्ण विदेशी निवेशक भी। कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे।

समझिए तनाव की वजह क्या थी : बता दें कि दोनों देशों के संबंध 2023 से तब से खराब चल रहे थे, जब कनाडाई पुलिस ने आरोप लगाया था कि वैंकूवर के पास एक सिख कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका थी। निज्जर, जो कनाडा में पल्याम्बिंग व्यवसाय चलाते थे और खालिस्तान आंदोलन से जुड़े थे, जून 2023 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा में रहने वाले चार भारतीय नागरिक इस हत्या के मामले में गिरफ्तार हैं और मुकदमे का इंतज़ार कर रहे हैं। इस विवाद के बाद 2023 में कनाडा ने भारत के साथ व्यापार वार्ता रोक दी थी। हालांकि तनाव के बाद 2024 में रिश्ते सुधारने के संकेत मिलने लगे। जून में पीएम कार्नी ने मोदी को अल्बर्टा में जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया। अगस्त में दोनों देशों ने अपने शीर्ष राजनयिकों को वापस नियुक्त किया। अनिता आनंद ने कहा कि पिछले छह महीनों में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं।

इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू का भारत दौरा फिर टला

तेल अवीव, एजेंसी। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस साल के अंत में भारत की यात्रा पर आने वाले थे, लेकिन अब एक बार फिर उन्होंने अपनी इस यात्रा को टाल दिया है। उनकी यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के लिए तय की गई थी। सूत्रों के अनुसार, यह कदम नई दिल्ली में हुए एक भयानक आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से उठाया गया है। इस हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। मीडिया रिपोर्ट की माने तो नेतन्याहू अब अगले साल नई तारीख तय करेंगे, जब सुरक्षा परिस्थितियों का आकलन हो जाएगा। बता दें कि इस बार को लगाकर इस साल इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू ने तीन बार भारत की यात्रा रद्द की है। पहले उन्होंने नौ सितंबर को भारत यात्रा रद्द की थी। इसका कारण था इस्त्राइल में 17 सितंबर को होने वाले चुनाव और उससे जुड़े कार्यक्रम। इसके पहले अप्रैल में भी उनकी यात्रा रद्द हो गई थी।

नेतन्याहू की भारत यात्रा, मजबूत छवि बनाने की कोशिश : नेतन्याहू का भारत यात्रा इस्त्राइल में उनके वैश्विक स्वीकार्यता दिखाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा था। कारण है कि इस साल जुलाई में उनकी पार्टी ने नेतन्याहू की पीएम मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ तस्वीर वाले पोस्टर लगाकर उनकी छवि को मजबूत करने की कोशिश की थी। हालांकि इस बात में भी कोई दोहराई नहीं है कि उनका चुनाव अभियान हमेशा से यह दिखाने पर केंद्रित रहा है कि वह दुनिया के नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हैं, जो कि इस्त्राइल की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पीएम मोदी गए थे इस्त्राइल : गौरतलब है कि नेतन्याहू ने भारत की पिछली यात्रा जनवरी 2018 में की थी, जबकि प्रधानमंत्री मोदी 2017 में तेल अवीव गए थे और वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे जो इस्त्राइल गए। दोनों नेताओं के करीबी रिश्तों की अक्सर भारतीय और इस्त्राइली मीडिया में चर्चा होती रही है।

अपने ही बोझ से दब सकता है पाकिस्तान, आबादी ही कराएगी बर्बादी

इस्लामाबाद, एजेंसी। दुनिया के कई देश घटती आबादी के संकट से परेशान हैं। इटली, जापान, रूस, साउथ कोरिया जैसे देशों में तेजी से आबादी कम हो रही है और हालात ऐसे हैं कि अस्तित्व के संकट तक की बात हो रही है। यहां तक कि भारत जैसे देश में भी अब प्रजनन दर तेजी से कम हो रही है। प्रति महिला जन्मदर अब भारत में 1.9 ही रह गई है, लेकिन पाकिस्तान की आबादी में तेजी से विस्फोट हो रहा है। बदलते दौर में भी पाकिस्तान की आबादी जिस तरह से बढ़ रही है, उससे देश के आगे संकट पैदा हो सकता है। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने ही अपनी एक विस्तृत रिपोर्ट में पाकिस्तान की पूरी व्यवस्था ही चरमराने का अनुमान जताया है।

पाकिस्तान की बढ़ती आबादी और उसके संसाधनों में असंतुलन का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह क्षेत्रफल के मामले में दुनिया का 33वां देश है। लेकिन आबादी के मामले में वह 5वें नंबर पर पहुंच गया है। कराची, लाहौर, पेशावर, रावलपिंडी, क्वेटा समेत तमाम शहरों की हालत यह है कि जरा सी बारिश भी बाढ़ जैसे हालात पैदा कर देती है। भारी आबादी के चलते कहीं भी रिहायश की सही व्यवस्था नहीं है और खेती का रकबा भी लगातार कम हो रहा है। क्लाइमेट चेंज और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं अलग से घर रही हैं। फिलहाल पाकिस्तान की आबादी 241.5 मिलियन पर है।

अब यह अगले 5 सालों में 300 मिलियन यानी 30 करोड़ तक पहुंच गई है। यही नहीं 2050 में तो यह 40 करोड़ हो जाएगी। छोटे से देश की इतनी भीषण आबादी बड़ा संकट खड़ा कर सकती है। ऐसी स्थिति इसलिए है क्योंकि पाकिस्तान में प्रजनन दर 3.6 है। यह भारत के मुकाबले लगभग दोगुनी है। साउथ एशिया के देशों में किसी भी मुल्क की आबादी बढ़ने की ग्रोथ इतनी अधिक नहीं है। पाकिस्तान के बाद अफ्रीका के मुल्कों में ही आबादी बढ़ने की रफ्तार इतनी तेज देखी जा रही है। डॉन के मुताबिक इतनी भारी आबादी का असर हर सेक्टर पर दिख रहा है। एक तरफ बच्चे कुपोषित हैं तो वहीं उनके बड़े होने पर बेरोजगारी का संकट है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर जैसी समस्याएं भी पैदा हो रही है। पाकिस्तान की बढ़ती आबादी के चलते हालात यह हैं कि 5 साल से कम आयु के 40 फीसदी बच्चे कुपोषित हैं। इसके अलावा बच्चों को जन्म देने के दौरान ही 11 हजार माताओं की हर साल मौत हो जाती है। पाकिस्तान में गर्भ निरोधक उपायों के इस्तेमाल में कमी के चलते भी ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसकी वजह कुछ लोगों की कट्टरता है और वे गर्भनिरोध का इस्तेमाल नहीं करते। यही नहीं यह कट्टरता बढ़ती आबादी में एक और तरीके से खाज का काम करती है। पोलियो की दवा का विरोध किया जाता है और इसके चलते अकसर पाकिस्तान में पोलियो के केस मिल जाते हैं।

'ट्रंप ने कह दिया है- अमेरिकी लोगों को ही देनी होंगी नौकरियां' : व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, एजेंसी। एच-1बी वीजा की फीस को लेकर मचे बवाल के बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का बड़ा बयान सामने आया है। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के साथ ही स्थानीय नौकरियों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का यह बयान एच-1बी वीजा की बढ़ती जांच और विदेशी श्रमिकों की वजह से प्रमुख उद्योगों में अमेरिकी नौकरियां के विस्थापन की संभावना पर सामने आया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने विदेशी कंपनियों को अमेरिका में सीधे निवेश करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने इन विदेशी कंपनियों से कहा है कि आप यहां निवेश कर रहे हैं अगर आप यहां व्यापार करना चाहते हैं तो आपको अमेरिकी लोगों को ही नौकरियां देनी होंगी।

कैरोलिन लेविट ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी कर्मचारियों को बदले जाने का समर्थन नहीं करते हैं। राष्ट्रपति चाहते हैं कि अमेरिकी मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग पहले से कहीं अधिक बेहतर तरीके से चले। ये उसी का हिस्सा है, जिसके तहत राष्ट्रपति टैरिफ का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल और दुनियाभर में अच्छे व्यापार सौदे में कटौती के जरिए कर रहे हैं।' एच-1बी वीजा से जुड़ी चिंताओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक एच-1बी वीजा के मुद्दे की बात है तो इस पर राष्ट्रपति की राय सूक्ष्म और व्यावहारिक है। उन्होंने कहा कि अगर विदेशी कंपनियां अमेरिका में खरबों रुपयों का निवेश कर रही हैं और बैटरी जैसे उत्पादों को बनाने के लिए विदेशी कामगारों को ला रही हैं तो राष्ट्रपति चाहते हैं कि उन कारखानों को शुरुआत में ही चालू कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इन नौकरियों में अमेरिकी लोगों को देखना चाहते हैं।

बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा योजना के बचाव में कहा था कि उन्हें अपने कंजर्वेटिव दोस्तों और मागा समर्थकों से प्यार है। हालांकि, उन्होंने माना था कि अमेरिका में विदेशी कुशल कामगारों की जरूरत है।

यूएस-सऊदी इन्वेस्टमेंट फोरम में 20 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने समर्थकों की ओर से की जा रही आलोचना का जवाब दिया था। उन्होंने तर्क देते हुए कहा था कि उन्नत तकनीक में भारी निवेश कर रही कंपनियां एक कंप्यूटर चिप फैक्ट्री यूं ही नहीं खोल सकती हैं और फिर बेरोजगारों की कतार से लोगों को नौकरियां दें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विदेश विशेषज्ञों को जाने से पहले अमेरिकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की जरूरत है।

घर पर नजरबंद पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने निगरानी उपकरण से की छेड़छाड़, अब जेल में बंद किए गए

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सजायाफ्ता पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो की हिरासत को बरकरार रखते हुए उनके खिलाफ सख्ती दिखाई है। कोर्ट का यह फैसला बोल्सोनारो के उस कबूलनामे के बाद आया, जिसमें उन्होंने घर में नजरबंदी के दौरान अपनी एड़ी पर लगाए गए निगरानी उपकरण को तोड़ने की कोशिश की बात स्वीकार की। अदालत ने इसे फरार होने और 27 साल की सजा से बचने का प्रयास माना। 70 वर्षीय बोल्सोनारो को गिरफ्तारी के बाद शनिवार सुबह ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में संघीय पुलिस मुख्यालय में जेल में रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट की चार जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से तय किया कि उन्हें एहतियाती हिरासत में ही रखा जाए। शनिवार को गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाले जस्टिस अलेसांद्रे दे मोरायस ने कहा कि बोल्सोनारो फरार होने का जोखिम पैदा करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति पर 2022 के चुनाव में लुइज इनासियो लूला डीसिल्वा से हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की कोशिश का आरोप है, जिसके तहत उन्हें 27 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। दे मोरायस के फैसले को उनके साथी जज फ्लावियो डीनो, क्रिस्टियानो जैनिन और कार्मेन लूसिया ने ऑनलाइन सत्र के दौरान मंजूरी दी। रविवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान बोल्सोनारो ने एक सहायक जज से कहा कि दवाइयों में बदलाव के कारण उन्हें घबराहट और भ्रम की स्थिति हुई और उनकी मानसिक हालत बिगड़ गई। इसके चलते उन्होंने निगरानी उपकरण तोड़ने की कोशिश की। उनके डॉक्टरों और वकीलों ने यही दावा दोहराया। हालांकि, अपने आदेश में जज मोरायस ने लिखा कि बोल्सोनारो ने गंभीर अनुचित व्यवहार में मॉनिटर तोड़ने की बात स्वीकार की है। वे लगातार एहतियाती शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं और अदालत के प्रति स्पष्ट निरादर दिखा रहे हैं।' जज को बताया गया कि एड़ी पर लगे उपकरण को शनिवार को स्थानीय समयानुसार 12.08 बजे छेड़ा गया था, जिसके कुछ घंटे बाद गिरफ्तारी का आदेश जारी किया गया। बोल्सोनारो अगस्त से घर में नजरबंदी पर थे। शनिवार को यह जानकारी सामने आने के बाद से समर्थक व विरोधी दोनों देशभर के कई शहरों में सड़कों पर उतर आए हैं। हालांकि, सोमवार को बारिश के बीच ब्रासीलिया में संघीय पुलिस मुख्यालय के सामने कुछ ही प्रदर्शनकारी नजर आए। सड़क से गुजरते वाहन चालक भी कभी बोल्सोनारो के खिलाफ तो कभी लूला के समर्थन में हॉर्न बजाते रहे। संसद का सत्र फिर से शुरू होने के साथ ही तनावपूर्ण सप्ताह की तैयारी चल रही है। इसी बीच, पूर्व राष्ट्रपति के बेटे और सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो ने कहा कि वह अपने पिता के लिए आम माफी बिल लाने की कोशिश जारी रखेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप को शी जिनपिंग ने फोन पर कहा- ताइवान हमारा होगा, बस यही उसका भविष्य है

ताइपे, एजेंसी। चीन और अमेरिका के बीच संबंधों में हालिया नरमी के बावजूद ताइवान को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर उभर आया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ताइवान को लेकर चीन के रुख में कोई बदलाव नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा, 'ताइवान हमारा होगा। यही उसका भविष्य है। ताइवान की चीन में वापसी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, शी जिनपिंग ने ट्रंप से कहा कि ताइवान का चीन में विलय उस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था से जुड़ा है, जो अमेरिका-चीन की साझी लड़ाई के बाद बनी थी। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और आवश्यक होने पर बल प्रयोग करने की चेतावनी भी देता रहा है, जबकि ताइवान की लोकतांत्रिक सरकार इस दावे को सख्ती से खारिज करती है। चीनी मीडिया एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने ट्रंप से कहा कि अमेरिका और चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में कंधे से कंधा मिलाकर फासीवाद और सैन्यवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। इसलिए, ताइवान का चीन में विलय- पोस्ट-वॉर इंटरनेशनल ऑर्डर का हिस्सा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुद्दा चीन के लिए रेड लाइन है और कोई भी हस्तक्षेप अस्वीकार्य होगा।

ट्रंप ने ताइवान पर नहीं की टिप्पणी : हालांकि ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में ताइवान का जिक्र नहीं किया और केवल अमेरिका-चीन संबंधों को बेहद मजबूत बताया। लेकिन चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ट्रंप ने फोन कॉल के दौरान स्वीकार किया कि ताइवान का मसला चीन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

व्यापार समझौते पर आगे बढ़ने का संदेश : फोन कॉल के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापारिक मुद्दों पर भी चर्चा की। हाल ही में दक्षिण कोरिया में हुई बैठक में अमेरिका और चीन ने अपनी महीनों से जारी व्यापार जंग में अस्थायी नरमी दिखाई थी। चीन ने महत्वपूर्ण खनिजों पर कुछ निर्यात प्रतिबंधों को एक साल के लिए निलंबित करने पर सहमति जताई थी, जबकि अमेरिका ने चीनी सामानों पर कुछ टैरिफ घटाने और चीन को बड़ी मात्रा में अमेरिकी सोया खरीदने की अनुमति देने की घोषणा की थी।

शी जिनपिंग ने वार्ता के दौरान कहा कि दोनों देशों को इस गति को बरकरार रखना चाहिए और दक्षिण कोरिया में हुई बैठक ने चीन-अमेरिका संबंधों के विशाल जहाज की दिशा सुधारने में मदद की है। ट्रंप ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए कहा- हमारी दक्षिण कोरिया बैठक के बाद दोनों पक्षों ने आपसी समझौतों को अपडेट रखने में अच्छी प्रगति की है। अब हम बड़े मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

दुर्लभ खनिजों पर साझेदारी की कोशिश : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने हाल में कहा था कि वाशिंगटन थैंक्सगिविंग तक चीन के साथ दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति को लेकर एक समझौता अंतिम रूप देना चाहता है। दुर्लभ खनिजों के खनन और प्रसंस्करण पर चीन की वैश्विक पकड़ है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

ताइवान ने चीन को दिया स्पष्ट संदेश : मंगलवार को ताइवान के प्रधानमंत्री चो जोंग-ताई ने बीजिंग के दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि चीन में किसी भी तरह की वापसी ताइवान के 2.3 करोड़ नागरिकों के लिए कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा- रिपब्लिक ऑफ चाइना, ताइवान, एक पूर्णतः संप्रभु और स्वतंत्र देश है। 23 मिलियन लोगों के लिए 'वापसी' कोई विकल्प नहीं है- यह बिल्कुल स्पष्ट है। पिछले कुछ हफ्तों में ताइवान को लेकर चीन और जापान के बीच राजनयिक तनाव बढ़ गया है। दरअसल जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने हाल ही में यह संकेत दिया था कि ताइवान पर किसी हमले की स्थिति में जापान सैन्य हस्तक्षेप कर सकता है। इस बयान पर बीजिंग ने कड़ा रुख अपनाया है। इसके चलते जापान में चीनी पर्यटकों की संख्या घटी है, जापानी समुद्री खाद्य पर प्रतिबंध लगाया गया है और कई सांस्कृतिक कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। दोनों नेताओं की बातचीत में यूक्रेन युद्ध भी शामिल रहा। ट्रंप ने कई बार इस संघर्ष को समाप्त करने पर जोर दिया है। चीन खुद को इस युद्ध का तटस्थ पक्ष बताता है और उसने बातचीत के माध्यम से समाधान का समर्थन दोहराया।

दक्षिण अफ्रीका ने 25 साल बाद भारत में टेस्ट सीरीज जीती

- दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हराया, - यानसन बने प्लेयर ऑफ द मैच, - हार्मर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 408 रनों से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही मेहमान टीम 25 साल बाद भारत में कोई टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम बार साल 1999 में हैंसी क्रोनये की कप्तानी में भारत में 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती थी। वहीं ये भारतीय टीम की एक साल में दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को घरेलू सीरीज में 3-0 से हराया था। माकर यानसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच तथा सीरीज में कुल 17 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर को'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला

दूसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दक्षिण अफ्रीकी टीम के सामने नहीं टिक पाये। भारतीय टीम पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के 489 रनों के जवाब में केवल 201 रन ही बना पायी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी पांच विकेट पर 260 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इसके बाद भारतीय टीम 549 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 2 विकेट पर 27 रनों से आगे खेलते हुए अंतिम दिन 140 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ही ही सबसे अधिक 54 रन बना पाये। भारतीय बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर साइमन हार्मर का सामना नहीं कर पाये। हार्मर ने इस मैच में छह विकेट लिए। अंतिम दिन भारत का छठा विकेट साई सुदर्शन के रूप में गिरा। उन्होंने 14 रन बनाये। वॉशिंगटन सुदंर 44 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुये। 62वां ओवर कर रहे केशव महाराज की पहली गेंद पर छक्का लगाकर जडेजा ने अपना अर्धशतक पूरा किया। अगले ही ओवर में हार्मर, नीतीश कुमार रेड्डी शुन्य पर ही आउट हो गये। इसी के साथ छठी सफलता हार्मर के नाम रहीं। 64वें ओवर की पहली गेंद पर केशव महाराज ने रवींद्र जडेजा को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। जडेजा ने 87 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर महाराज ने को आउटकर 140 के स्कोर पर भारतीय पारी का अंत कर दिया। वहीं गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही ये भारतीय टीम की दूसरी सीरीज हार है। इससे पहले 2024 नवंबर में न्यूजीलैंड ने 3-0 से भारतीय टीम को हराया था।

टीम अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है : सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को कहा कि वह अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए राष्ट्रीय टीम की अगुवाई को लेकर उत्साहित हैं। खास कार्यक्रम के दौरान सूर्यकुमार ने कहा, 'मेरा मतलब है, उस टी-20 विश्वकप में जाना एक बड़ी चुनौती है। मैं इस बार टीम का नेतृत्व करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत रोमांचक होने वाला है।'

उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 विश्वकप 2024 में भारत की जीत को याद करते हुए कहा, 'मुझे उस ट्रॉफी को देखकर बहुत मोटिवेशन मिलता है। जब हम वेस्ट इंडीज (2024 इवेंट के को-होस्ट) पहुंचे और हर बार जब हमारा राष्ट्र गान बजाया जाता था तो हमारी नजर इस सिल्वरवेयर पर होती थी। हर बार।'

क्रिकेटर ने आगे कहा, 'हमने सोचा है कि जैसे ही हम फाइनल आये, हमें यह ट्रॉफी जीतनी है। और इसे फिर से करीब से देखने के बाद इससे मुझे बहुत मोटिवेशन मिलता है। वह भी भारत में खेलते हुए मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक होने वाला है। उन्होंने कहा कि लड़के बहुत उत्साहित हैं। हर कोई टी-20 विश्व कप में जाने वाली इस टीम का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक है। मैंने बहुत सारे अनुभव शेयर किए हैं। मैं 2023 में एक शानदार टीम का हिस्सा था, जब हमने भारत में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। माहौल बिल्कुल अलग था।'

उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे कहा है कि यह बिल्कुल अलग गेम है। हां, फैंस वैसे ही होंगे (टर्नआउट में), जैसा आप फ्रेंचाइजी क्रिकेट में देखते हैं, लेकिन जब भारत आता है, जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो इसका इमोशन बिल्कुल अलग होता है। इसलिए वे बहुत उत्साहित हैं। हम एक अलग तरह का क्रिकेट खेलने की कोशिश कर रहे हैं। उम्मीद है, हम वर्ल्ड कप में भी यही करते रहेंगे।' भारत अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी 2026 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ करेगा।

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे रोहित, मिचेल दूसरे नंबर पर खिसके

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में एक बार फिर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। आईसीसी ने बुधवार को पुरुष खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें रोहित न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़कर नंबर-1 स्थान पर आ गये हैं। रोहित के अभी 781 रेटिंग अंक हैं। उन्होंने 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अंतिम एकदिवसीय मैच खेला था। वह अब इस माह के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे। वहीं मिचेल 766 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। मिचेल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 नवंबर को पहले एकदिवसीय में शतक लगाने के बाद नंबर एक स्थान हासिल किया था। वह चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए जिससे रैंकिंग में नीचे गिर हैं। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र एक स्थान के लाभ के साथ ही 12वें पर आ गए हैं जबकि डेवोन कॉनवे 11 स्थान ऊपर 31वें पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई दूसरे एकदिवसीय में शतक से आठवें नंबर पर आ गए।। कीवी टीम ने वेस्टइंडीज को तीन मैच की सीरीज में हराया। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सेंटनर छठे और मैट हेनरी अपने शानदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 10वें नंबर पर आ गए। वहीं, जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा टी20 ऑलराउंडरों में नंबर-1बन गए हैं। उन्होंने अपने करियर में पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है। उनके 289 रेटिंग अंक हैं। रजा ने पाकिस्तान में ट्राई सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था जिसका लाभ उन्हें मिला है। रजा के बाद पाकिस्तान के सईम अयूब (269 अंक) हैं। टेस्ट रैंकिंग में भी बदलाव हुए हैं। पर्थ में इंग्लैंड के खिलाफ पहले एशेज टेस्ट जीत के बाद ट्रैविस हेड चार स्थान की छलांग लगाकर छठे नंबर पर आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के ओली पोप चार पायदान के लाभ के साथ ही 24वें पर पहुंच गये हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को भी भी आयरलैंड पर जीत के बाद लाभ मिला है।

दक्षिण अफ्रीका से हार का भारी झटका: डब्ल्यूटीसी तालिका में भारत फिसला, पाकिस्तान से भी पिछड़ा

गुवाहाटी (एजेंसी)। बुधवार को घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक श्रृंखला हारने के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है। 2000 के बाद यह दूसरी बार है जब उन्होंने देश में टेस्ट श्रृंखला जीती है। इस बीच, आईसीसी के अनुसार, 408 रनों से हार भारत की टेस्ट क्रिकेट में रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार है। इस जीत ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका की स्थिति को और मजबूत कर दिया है। गत चैंपियन अपने चार टेस्ट मैचों में 36 अंकों के साथ ऑस्ट्रेलिया के ठीक पीछे दूसरे स्थान पर है। उनका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 से बढ़कर 75 हो गया है। उन्होंने तीन टेस्ट जीते हैं और सिर्फ एक हारा है।

दूसरी ओर, भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान से नीचे खिसक गया है, और अब वह पांचवें स्थान पर है, जिसका पीसीटी 48.15 पर आ गया है, जिसमें चार हारे, चार जीते और एक ड्रॉ रहा है। पहले दिन 247/6 के स्कोर के साथ धीमी शुरुआत के बाद, ऑलराउंडर सेनुरन मुथुसामी (109) के पहले टेस्ट शतक और मार्को जेनसन (91 गेंदों में 93 रन, छह चौकों और सात छक्कों की मदद से) की जोरदार पारी ने निचले क्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया और प्रोटियाज को पहली पारी में 489 तक पहुंचाया। कुलदीप यादव (4/115) भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे।

जेनसन ने गेंद से अपना जादू जारी रखा और 6/48 के आंकड़े हासिल किए, जिससे मेजबान टीम केवल 201 रन पर ढेर हो गई। यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन, छह चौकों और एक छक्के की मदद से) और वाशिंगटन सुंदर (92 गेंदों में 48 रन, दो चौकों और एक छक्के की मदद से) के अर्धशतकों ने उल्लेखनीय प्रतिरोध पेश किया। भारत ने 65 रनों की साझेदारी के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन सुंदर और कुलदीप (134 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 19 रन) के बीच 72 रनों की साझेदारी के साथ 122/7 पर फिसल गया, जिससे भारत 200 रनों के आंकड़े तक पहुंच गया।

दक्षिण अफ्रीका ने फॉलो-ऑन न देने का फैसला किया, बल्कि अपनी बढ़त को 500 के पार पहुँचाया। ट्रिस्टन स्टब्स (180 गेंदों में 94 रन, नौ चौकों और एक छक्के की मदद से) ने पारी घोषित होने से पहले अपनी तीसरी पारी में 260/5 का स्कोर बनाया। एक बार फिर स्पिनरों ने कमाल दिखाया, जिसमें जडेजा ने चौका लगाया। लेकिन भारत के सामने 549 रनों का विशाल लक्ष्य था। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के प्लेयर ऑफ द मैच साइमन हार्मर दूसरी पारी में भी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे। पहली पारी में 64 रन देकर 3 विकेट लेने के बाद, हार्मर (37 रन देकर 6 विकेट) ने आखिरी दिन की सुबह भारतीय बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया।

टी20 विश्वकप सात फरवरी से, पहले ही दिन होंगे तीन मुकाबले : आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप 2026 क्रिकेट मुकाबले 7 फरवरी ये शुरु होंगे। इस टूर्नामेंट के पहले ही दिन तीन मैच खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान सहित 6 टीमें उतरेंगी। ये टी20 विश्व कप इतिहास में पहली बार होगा, जब टूर्नामेंट के पहले दिन ही तीन सारे मैच होंगे। इसमें से दो मुकाबले भारत जबकि एक मैच श्रीलंका में खेला जाएगा। आईसीसी के अनुसार अभी तक ये फैसला नहीं हुआ है कि किस मैच से पहले उद्घाटन समारोह होगा। पहला मैच ग्रुप ए में कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला ग्रुप सी की टीमों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच दोपहर 3 बजे से कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं दिन का अंतिम मुकाबला शाम को सात बजे से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और अमेरिका के बीच होगा। ये दोनों टीमें ग्रुप ए में शामिल हैं। इस प्रकार से एक ही दिन में तीन मुकाबलों में 6 टीमें होंगी। ग्रुप स्तर के मैचों के हर दिन का कार्यक्रम ऐसा ही है। 7 फरवरी से 19 फरवरी तक हर दिन 3-3 मैच खेले जाएंगे। इस प्रकार लीग स्तर के बाद सेमीफाइनल के लिए आठ टीमें ही बचेंगी।

ब्रिसबेन में तीन विकेट लेते ही अकरम का रिकार्ड तोड़ देंगे स्टार्क

ब्रिसबेन। यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच चार दिसंबर से ब्रिसबेन में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पाकिस्तान के दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। स्टार्क ब्रिसबेन टेस्ट की दोनों पारियों में अगर 3 विकेट ले लेते हैं, तो अकरम को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बन जाएंगे। स्टार्क ने साल 2011 से 2025 के बीच 101 टेस्ट की 194 पारियों में 412 विकेट लिए हैं। वहीं अकरम ने 1985 से 2002 के बीच 104 टेस्ट की 181 पारियों में 414 विकेट लिए थे। अकरम लंबे समय से टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं पर ब्रिसबेन में 3 विकेट लेने ही स्टार्क उनसे आगे निकल जाएंगे। ऐस में स्टार्क के कुल विकेटों की संख्या 415 हो जाएगी और वे अकरम से आगे हो जाएंगे। स्टार्क इसके अलावा टेस्ट विकेटों के मामले में भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को भी पीछे छोड़ सकते हैं। हरभजन ने 1998 से 2015 के बीच 103 टेस्ट की 190 पारियों में 417 विकेट लिए हैं। वहीं स्टार्क अगर 6 विकेट ले लेते हैं तो वह हरभजन को पीछे छोड़ सकते हैं। स्टार्क ने एशेज सीरीज के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों को मिलाकर 10 विकेट लिए थे। स्टार्क ने पहली पारी में 58 रन देकर 7 और दूसरी पारी में 55 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

भारत को मिली कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी, अहमदाबाद को चुना गया होस्ट शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 20 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और बुधवार को ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों की आमसभा की बैठक में अहमदाबाद को मेजबान के तौर पर औपचारिक मंजूरी मिल गई। बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व संयुक्त सचिव (खेल) कुणाल, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी टी उषा और गुजरात के खेल मंत्री हर्ष संघवी सहित अन्य लोगों ने किया। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ डोनाल्ड रुकारे ने कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक नए सुनहरे दौर की शुरुआत है। भारत व्यापकता, युवा शक्ति, महत्वाकांक्षा, समृद्ध संस्कृति, अपार खेल-जुनून और प्रासंगिकता लेकर आता है। हम राष्ट्रमंडल खेलों के अगले शतक की शुरुआत मजबूत स्थिति में कर रहे हैं।'

राष्ट्रमंडल खेल 2030 में अपने 100 साल भी पूरे कर रहे हैं लिहाजा यह संस्करण विशेष रहने वाला है। भारत के लिए राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी हासिल करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने की दौड़ में भी है और अहमदाबाद को ही मेजबान शहर के रूप में पेश किया गया है। भारत ने इससे पहले 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था लेकिन 2030 में इन खेलों को अहमदाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसने पिछले एक दशक में अपने खेल ढांचे को नए स्तर तक पहुंचाया है।

राष्ट्रमंडल खेल बोर्ड ने मूल्यांकन समिति की देखरेख में एक प्रक्रिया पूरी करने के बाद भारत को मेजबानी देने की की सिफारिश की थी। इसने मेजबानी के दावेदार शहरों का 'तकनीकी वितरण, खिलाड़ियों के अनुभव, बुनियादी ढांचे, प्रशासन और राष्ट्रमंडल खेल मूल्यों के साथ अनुकूलता' के आधार पर मूल्यांकन किया था। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए भारत को नाइजीरिया के शहर अबुजा से कड़ी टक्कर मिल रही थी, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने 2034 के खेलों की मेजबानी के लिए अफ्रीका के इस शहर के नाम पर विचार करने का फैसला किया।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा, 'यह राष्ट्रमंडल खेल आंदोलन के भविष्य के लिए एक निर्णायक क्षण होगा तथा इसके 100 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।' भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर लगभग 70,000 करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो शुरुआती अनुमान 1600 करोड़ रुपए से कहीं अधिक था। चार साल में एक बार होने वाले इन खेलों में 72 देश हिस्सा लेते हैं जिनमें से ज़्यादातर पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश हैं। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे ने कहा था कि कार्यकारी बोर्ड को भारत और नाइजीरिया दोनों के प्रस्ताव 'प्रेरक' लगे, लेकिन आखिर में 2030 में होने वाले खेलों की मेजबानी के लिए अहमदाबाद को चुना गया।

अहमदाबाद ने हाल के महीनों में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप, एशियाई एक्वेटिक्स चैंपियनशिप और फुटबॉल के एएफसी अंडर-17 एशियाई कप 2026 क्वालीफायर की मेजबानी की। यह शहर अगले साल एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप और एशिया पैरा-तीरंदाजी कप की मेजबानी करेगा। इसके अलावा 2029 में विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किए जाएंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल खेल परिसर उन प्रमुख स्थलों में से एक है, जिसको इन खेलों के लिए तैयार किया जा रहा है। इनमें एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता वाला नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम भी शामिल है। इसके अलावा इस परिसर में एक जलक्रीड़ा केंद्र और एक फुटबॉल स्टेडियम के साथ-साथ इनडोर खेलों के लिए दो मैदान भी होंगे। इस परिसर के अंदर 3,000 लोगों के रहने की क्षमता वाला खेल गांव भी बनाया जाएगा।

ग्लास्गो में 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का बजट बहुत कम कर दिया गया है। यह शहर पूरे आयोजन को आठ मील (लगभग 12 किमी) के दायरे में आयोजित करना चाहता है। उसने इन खेलों का बजट 114 मिलियन पाउंड (लगभग 1300 करोड़ रुपए) रखा है। इस कारण कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे कुछ प्रमुख खेलों को बाहर कर दिया गया। भारत इसका कड़ा विरोध कर रहा था क्योंकि इससे उसकी पदक जीतने की क्षमता पर गहरा असर पड़ा। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) ने हालांकि स्पष्ट कर दिया था कि 2030 के खेलों में उन सभी खेलों को शामिल किया जाएगा जिन्हें ग्लासगो खेलों से हटा दिया गया है। IOA के संयुक्त सचिव कल्याण चौबे ने कहा था, 'योजना यह है कि निशानेबाजी, तीरंदाजी, कुश्ती आदि जैसे सभी खेलों को इसमें शामिल किया जाए। हमारे पारंपरिक खेल जैसे कबड्डी और खो-खो को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।'

जोकोविच ने हासिल किया बड़ा मुकाम, शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

लंदन। सर्बिया के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में शीर्ष चार में एक साल पूरा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 38 साल और पांच महीने की उम्र में सर्बिया महान खिलाड़ी जोकोविच ने एटीपी रैंकिंग में शीर्ष चार में 2025 सीजन का समापन किया। इसी के साथ उन्होंने एटीपी रैंकिंग के इतिहास में सबसे अधिक टॉप चार फिनिश के लिए रोजर फेडरर और राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और पूर्व नंबर वन जाकोविच ने वर्ष 2025 का समापन नंबर चार पर किया। जोकोविच ऐसा करने वाले 14 खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने अब यह दूसरी सबसे ज्यादा बार किया है, कॉनर्स और नडाल को पीछे छोड़ दिया है और केवल फेडरर से पीछे हैं। एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स (एटीपी) की 17 नवंबर को जारी रैंकिंग में जोकोविच चौथे स्थान पर थे।

दूसरे टेस्ट में लियोन की जगह वेबस्टर को शामिल करें : मूडी

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर टॉम मूडी ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ यहां 4 दिसंबर से होने वाले यहां दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी ऑफ-स्पिनर नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में नहीं रखा जाना चाहिये। मूडी के अनुसार गाबा की तेज और उछाल भरी पिच पर तेज गेंदबाज अधिक प्रभावी होंगे। साथ ही कहा कि इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए दिन-रात के इस मैच में टीम संयोजन बदला जाना जरुरी है। इसलिए लियोन की जगह ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को मौका मिलना चाहिए। वेबस्टर बल्लेबाजी गहराई बढ़ा सकते हैं और मध्यम गति के तेज गेंदबाजी विकल्प भी टीम को दे सकते हैं। मूडी ने कहा कि ब्रिस्बेन की पिच स्वभाविक रूप से तेज गेंदबाजों का साथ देती है। दिन-रात टेस्ट में गुलाबी गेंद से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिलती है। पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान लियोन प्रभावी नहीं रहे थे। वहीं तेज गेंदबाजों ने मैच पलट दिया था। मूडी ने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट में विशेषज्ञ स्पिनर को बाहर रखने की जरूरत पड़ेगी, पर दिन-रात के क्रिकेट में स्पिनर को खेल में शामिल करना ठीक नहीं रहता है।" उन्होंने यह भी कहा कि इंग्लैंड की तेज बल्लेबाजी रणनीति स्पिनर को लंबे स्पेल करने का अवसर नहीं देती है। ऐसे में तेज गेंदाबाज ऑलराउंडर ही बेहतर संतुलन दे पाते हैं।

0-2 से हार के बाद गंभीर का बड़ा बयान: मेरा फ्यूचर बीसीसीआई के हवाले, पर प्राथमिकता सिर्फ भारतीय क्रिकेट

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 2-0 की हार के बाद, भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी प्राथमिकता भारतीय क्रिकेट है, न कि व्यक्तिगत पहचान। उन्होंने मुख्य कोच के रूप में टीम के साथ अपनी पिछली सफलताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज़ ड्रॉ, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे और अंतिम टेस्ट में भारत पर 408 रनों की शानदार जीत हासिल की। मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा वाइटवॉश है। पिछले साल न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 0-3 और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0-2 से हार गंभीर के नेतृत्व में दो साल में भारत की घरेलू टेस्ट सीरीज़ में दो हार है।

गौतम गंभीर ने पत्रकारों से कहा कि ईमानदारी से कहूँ तो खेल में कोई कमी नहीं होती। हमने जो भी फ़ैसला लिया है, टीम के सर्वोत्तम हित में लिया है और हमें पूरा विश्वास है कि ये सही फ़ैसले थे जो देश और टीम के लिए काम कर सकते थे। और दूसरा सवाल, इसका फ़ैसला बीसीसीआई को करना है। मैंने मुख्य कोच का पदभार संभालने के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भारतीय क्रिकेट महत्वपूर्ण है, मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। और मैं यहाँ बैठकर बिल्कुल यही बात कह रहा हूँ। और हाँ, लोग इसे भूल सकते हैं। मैं वही व्यक्ति हूँ जिसने इंग्लैंड में भी एक युवा टीम के साथ अच्छे नतीजे हासिल किए थे और मुझे यकीन है कि आप लोग बहुत जल्द भूल जाएँगे क्योंकि बहुत से लोग न्यूज़ीलैंड के बारे में बात करते रहते हैं। और मैं वही व्यक्ति हूँ जिसकी कप्तानी में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप भी जीता था।

दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ में भारतीय कप्तान ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर बात करते हुए, गंभीर ने कहा कि उन्हें टीम के सभी खिलाड़ियों से, यहाँ तक कि खुद से भी, उच्च मानकों की उम्मीद है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि टेस्ट मैच जीतने के लिए सिर्फ़ व्यक्तिगत प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि सामूहिक सुधार भी ज़रूरी है। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में, जो गर्दन की चोट के कारण आराम कर रहे हैं, पंत ने दूसरे टेस्ट में टीम की कमान संभाली। पंत के लिए यह सीरीज़ निराशाजनक रही, उन्होंने दो मैचों में 12.25 की औसत और 80.32 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ़ 49 रन बनाए।

गंभीर ने आगे कहा कि देखिए, मैं हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं खुद से और उस कमरे में मौजूद हर किसी से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मैं यहां बैठकर यह नहीं कहूंगा कि मैं किसी एक व्यक्ति से बेहतर की उम्मीद करता हूं। मुद्दा यह है कि अगर आपको अच्छी टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच जीतना है, तो आपको हर किसी से बेहतर की उम्मीद करनी होगी। और इसी तरह आप टेस्ट मैच जीतते हैं। आप किसी एक व्यक्ति के शॉट को दोष नहीं देते। आप किसी एक व्यक्ति को एक खास तरीके से खेलने के लिए दोष नहीं देते। आप सभी को दोष देते हैं। इसलिए, मैंने ऐसा कभी नहीं किया। मैं ऐसा नहीं करने वाला।

अमेरिकी बिजनेसमैन संग सात फेरे लेंगी पवित्रा पुनिया

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 14 फेम पवित्रा पुनिया की शादी की तारीख पक्की हो गई है! जी हां, बीते दिनों मुंबई के एक बिजनेसमैन से अपनी सगाई की घोषणा के बाद पवित्रा की अब सात फेरों को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, एक्ट्रेस ने अपने मंगेतर की पहचान अब तक छिपा रखी है, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि यह कपल 2027 में शादी करने की प्लानिंग कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पवित्रा पुनिया मार्च 2027 में शादी करने की प्लानिंग कर रही हैं। यह एक बेहद प्राइवेट सेरेमनी होगी, जिसमें दोनों तरफ के परिवार और करीबी लोग ही शामिल होंगे। पवित्रा पुनिया ने एक महीने पहले इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की बात कंफर्म करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। इसमें उनके मंगेतर घुटनों पर बैठकर अंगूठी पहनाते दिख रहे है। पवित्रा ने तब तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, लॉक इन। प्यार ने इसे ऑफिशियल कर दिया। पवित्रा पुनिया जल्द ही मिसेज बनने वाली हैं। इस पर विवियन डीसेना से लेकर देवोलीना भट्टाचार्जी और अर्चना गौतम से दिव्या अग्रवाल तक ने प्यार बरसाया था।

पवित्रा ने इससे पहले बातचीत में कहा था, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल, दिवाली मेरे लिए और भी खास है, क्योंकि मैं इसे उनके परिवार के साथ मनाऊंगी। अपने ससुराल वालों के बारे में बात करते हुए 39 साल की पवित्रा ने कहा, मैं विदेश जाऊंगी, क्योंकि वह और उनका परिवार वहां हैं। मुझे थोड़ा दुख है कि मैं अपने परिवार के साथ दिवाली नहीं मना पाऊंगी, लेकिन उनके साथ समय बिताने के लिए एक्साइटेड भी हूं। लव यू जिंदगी और बालवीर रिटर्न्स फेम एक्ट्रेस ने अपने पार्टनर का नाम भले ही नहीं बताया, लेकिन यह जरूर कहा है कि वह एक्टर नहीं हैं। पवित्रा पुनिया ने बताया, वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, एक्टर बिल्कुल नहीं है। एक बहुत अच्छा इंसान और दयालु है। हम काफी समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे से रह रहे हैं और यह सही लग रहा है।

ओटीटी के आने के बाद अब लड़कियों को वैंप या सती सावित्री नहीं दिखाया जाता

अपनी पहली ही फिल्म मकड़ी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली अदाकारा श्वेता बसु प्रसाद इन दिनों ओटीटी पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। इस साल दो वेब सीरीज ऊप्स अब क्या और क्रिमिनल जस्टिस 4 में अपनी अदाकारी के लिए सराही गईं श्वेता अब महारानी 4 में सीएम रोशनी भारती की भूमिका के लिए वाहवाही बटोर रही हैं।

आप स्क्रीन पर ज्यादातर मजबूत महिला किरदारों में ही दिखती हैं, क्या आपको ऐसे ही किरदार ऑफर होते हैं या आप खुद ऐसे ही रोल ही चुनती हैं?

मेरी ऐसी कोई सोची समझी चॉइस तो नहीं होती। मेरी कोशिश ये होती है कि अलग-अलग तरह के किरदार निभाऊं, क्योंकि कलाकार के तौर पर मेरा काम ये है कि मैं समाज के हर पहलू को दिखा सकूं ताकि देखने वाले को लगे कि ये मेरी बहन, गर्लफ्रेंड, कजिन या बेटी जैसी है। मेरी कोशिश ये होती है कि ऐसे किरदार करूं जिसे देखकर लोग उससे रिलेट करें कि हां, इसे पहले देखा है, मगर ये है कि हमारी फिल्मों और शोज का लेखन ही अब अलग हो चुका है। खासकर ओटीटी के आने के बाद शोज और फिल्मों में लड़कियों के लिए काफी मजबूत लेयर्ड किरदार लिखे जा रहे हैं।

स्टीरियोटिपिकल रोल नहीं लिखे जाते कि लड़की या तो सती-सावित्री है या वैंप

ये एक बेहतर बदलाव लेखन में हुआ है कि अब वो स्टीरियोटिपिकल रोल नहीं लिखे जाते कि लड़की या तो सति-सावित्री है या वैंप। जैसे, इंडिया लॉकडाउन में मैंने एक ऐसी प्रॉस्टिट्यूट का रोल किया था जो अपने काम को लेकर बहुत अनअपॉलिजेटिक थी। वह कोई बेचारी नहीं है कि मैं इसमें फंस गई। वह बहुत मजबूत और मुंहफट है। ऐसे ही, त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर में भी मैं साड़ी पहनकर बंदूक चला रही हूं तो मुझे मजा भी आता है ऐसे किरदार में, मगर मैं हर तरह के किरदार करना चाहूंगी।

क्या इंडस्ट्री में लड़की होने की वजह से आपको कमतरी का अहसास हुआ है? आप इसे कैसे हैंडल करती हैं?

हर किसी का अपना तरीका होता है कि आप ऐसी परिस्थिति में कैसे रिएक्ट करते हैं, क्योंकि ये चीजें तो आपके घर, स्कूल, ऑफिस, इंडस्ट्री या राजनीति हर जगह वैसी ही होती है। हम सबके साथ ऐसा कुछ न कुछ हुआ होगा, मगर बहुत निजी तरीका होता है कि आप उसे कैसे हैंडल करते हैं। जहां तक मेरी बात है, मैं चुप रहने को बिल्कुल बढ़ावा नहीं देना चाहूंगी। अगर आपको लगता है कि कोई गलत कह रहा है या आप उस पोजिशन में हैं कि आप उसे करेक्ट कर सकते हैं कि नहीं ऐसा नहीं, ऐसा होना चाहिए तो आपको जरूर बोलना चाहिए लेकिन अगर आपके सामने कोई मूर्ख इंसान है जिसके लिए ऐसा लगे कि आप दीवार से बात कर रहे हैं तो वहां पर आप अपनी एनर्जी व्यर्थ करेंगे तो वहां आप चुप रह सकते हैं। ये आपको खुद चुनना होगा कि कहां बोलना है, कहां लड़ना है, कहां इग्नोर करना है।

महारानी 4 में आप ताकतवर भूमिका निभा रही हैं। असल जिंदगी में अगर ऐसी ताकत मिले तो देश या समाज में क्या बदलाव करना चाहेंगी?

हमारे देश और समाज में यूं तो शिक्षा, भोजन, सुरक्षा जैसी कई बेसिक चीजें बेहतर करने की जरूरत है, जिस पर बहुत से लोग बात कर रहे हैं, लेकिन अगर मुझे देश या समाज में कोई बदलाव लाना हो तो मैं कहूंगी कि आप आर्ट, साइंस, फिलॉसफी और म्यूजिक सबको सिखाएं। मैं चाहूंगी कि समाज में थोड़ा आर्टिस्टिक हों। मुझे लगता है कि इसे एजुकेशन सिस्टम में अनिवार्य कर देना चाहिए क्योंकि आर्ट फॉर्म हमारे समय को डॉक्यूमेंट करते हैं। चाहे वो मुगल मिनिएचर आर्ट हो, टेंपल आर्ट हो या केव पेंटिंग हो या फैशन ही हो। जैसे, ब्लूज या जैज म्यूजिक अमेरिका में क्रांति के रूप में शुरू हुई थी।

महिलाएं जब साथ देती हैं तो जादू होता है

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्त्री ऊर्जा यानी फेमिनिन एनर्जी के बारे में एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि असली स्त्री ऊर्जा क्या होती है। रश्मिका ने बताया है कि अगर कोई महिला अपने अंदर की आवाज से जुड़ जाती है, तो उसके अंदर कई बदलाव आते हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में रश्मिका ने लिखा स्त्री ऊर्जा में एक खास जादू होता है। जब आप खुद से जुड़ जाती हैं, तो आप चीजों को साफ-साफ देखने लगती हैं। लोगों को पहचान जाती हैं और स्थितियों को पहले से समझ जाती हैं। कई बार आपको लगता है कि कुछ गलत होने वाला है। आपका मन आपको सावधान करता है। हालांकि हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं क्योंकि जिंदगी बहुत जटिल है। रश्मिका ने आगे लिखा महिलाएं जब एक-दसरे को सहारा देती हैं और सिर्फ यह कहती हैं कि मैं तुम्हारे साथ हूं, तो एक अलग जादू होता है। उस कोमलता में बहुत ताकत होती है। स्त्री शक्ति कमजोर नहीं है। हां यह कोमल जरूर है लेकिन यह मजबूत है और प्यार से भरी हुई है। जब महिलाएं इस तरह की ऊर्जा के साथ एकजुट होती हैं तो उन्हें कोई रोक नहीं सकता।

हर महिला को मिलेगी स्त्री ऊर्जा

रश्मिका ने आखिर में लिखा मैं देख रही हूं कि आप में से बहुत सी महिलाओं में यह शक्ति है। जिन्हें अभी तक इसके बारे में समझ नहीं है वह जल्द ही इसके बारे में समझेंगी और इसे महसूस करेंगी। जल्द ही इसे पा लेंगी और मजबूत स्त्री ऊर्जा बन जाएंगी।

द गर्लफ्रेंड के बारे में

हाल ही में रिलीज हुई रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड का निर्देशन राहुल रविंद्रन ने किया है। इसके लेखक भी वही हैं। फिल्म के निर्माता अल्लू अरविंद, धीरज मोगीलिनेनी और कोप्पिनीदी विद्या हैं। इसमें रश्मिका मंदाना के अलावा दीक्षित शेट्टी, अनु इमैनुएल, रोहिणी, कौशिक मेहता और राव रमेश हैं।

अजय के साथ दोस्ती का नहीं यह रिश्ता रखती हैं रकुल प्रीत

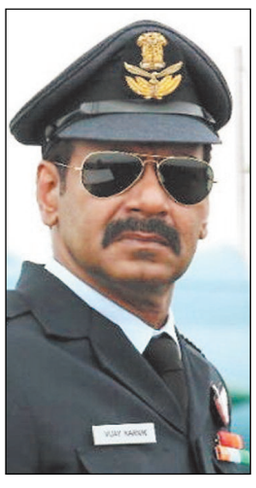

रकुल प्रीत सिंह हाल ही में अजय देवगन के साथ फिल्म दे दे प्यार दे 2 में नजर आईं। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया है कि वह इंडस्ट्री में नई नहीं हैं, इसके बावजूद उन्हें अजय देवगन के मुकाबले बहुत ही कम अनुभव है। उन्होंने बताया है कि वह अजय देवगन के साथ दोस्ती का रिश्ता क्यों नहीं रख सकती।

अजय के साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती रकुल

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में रकुल प्रीत सिंह ने बताया मैं उनके साथ दोस्ती का रिश्ता नहीं रख सकती। मेरा उनका रिश्ता सम्मान वाला है। मेरे लिए वह अभी भी अजय देवगन हैं। वह सीनियर अभिनेता हैं और बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं अजय देवगन को सम्मान के साथ संबोधित करती हूं।

अजय को सर मानती हैं रकुल

अजय देवगन के साथ रकुल प्रीत सिंह दोस्त की तरह क्यों नहीं रह सकती, इस पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा जो आपकी उम्र के या आपसे कम उम्र के एक्टर होते हैं, वह आपके दोस्त बन जाते हैं। अजय देवगन को मैं सर मानती हूं। मैं अपने आपको इंडस्ट्री में नई नहीं मानती, फिर भी मेरा उनसे कम अनुभव है।

दे दे प्यार दे 2 के बारे में

अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत और अजय देवगन के अलावा आर माधवन, गौतमी कपूर, जावेद जाफरी, मीजान जाफरी और अर्जुन पांचाल जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज हुई थी। इसमें बड़ी उम्र के पुरुष का छोटी उम्र की लड़की के साथ रोमांस दिखाया गया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अब तक 51.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

ओटीटी प्रोजेक्ट में अक्षय खन्ना-संजीदा शेख के साथ नजर आएंगे सनी देओल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में शुमार सनी देओल और अपने तीखे अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना एक बार फिर साथ स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक ने दोनों सितारों के फैंस में एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। बताया जा रहा है कि ये जोड़ी एक हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर में धूम मचाने की तैयारी में है, जिसमें एक्ट्रेस संजीदा शेख भी दमदार भूमिका निभाती दिखेंगी।

एक बार फिर साथ आए सनी-अक्षय

फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों सितारों ने एक ओटीटी एक्शन प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म पूरी तरह डिजिटल दर्शकों को ध्यान में रखते हुए प्लान की जा रही है। शूटिंग मुंबई में शुरू होने वाली है और मेकर्स कहानी को लेकर पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। सूत्र बताते हैं कि कहानी बिजली-सी तेज रफ्तार वाली होगी, जिसमें भारी-भरकम एक्शन, इमोशनल ड्रामा और मिस्ट्री का तड़का लगाया गया है। संजीदा शेख भी इस कहानी का अहम हिस्सा होंगी। उनके किरदार को फिल्म में इमोशनल गहराई जोड़ने वाला बताया गया है।

क्यों चुना गया ओटीटी प्लेटफॉर्म?

पिछले कुछ समय में बड़े स्केल के एक्शन प्रोजेक्ट्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। मेकर्स का मानना है कि ओटीटी की विशाल और विविध दर्शक संख्या ऐसी फिल्मों को तुरंत लोकप्रियता दिलाती है। हालांकि यह अभी साफ नहीं है कि फिल्म किस प्लेटफॉर्म पर आएगी, लेकिन उद्योग से जुड़े लोग इसे किसी बड़े स्ट्रीमिंग जायंट से जुड़ा प्रोजेक्ट बता रहे हैं।

अक्षय खन्ना के करियर में एक और बड़ा कदम

अक्षय खन्ना इस समय शानदार फॉर्म में हैं। पहले उन्होंने छावा में खलनायक बनकर दर्शकों को चौंकाया, उसके बाद उनकी अगली फिल्म 'धुरंधर' अपने लुक और इंटेंस ट्रेलर के कारण खूब चर्चा में है। साल 2025 उनके करियर के लिए खास होने वाला है और नया एक्शन प्रोजेक्ट उनकी लिस्ट में एक और दमदार एंट्री जोड़ देगा।

इस फिल्म को सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो अपनी मजबूत कहानी और स्टाइलिश ट्रीटमेंट के लिए जाने जाते हैं।

सनी देओल की नई उड़ान

जाट की सफलता के बाद सनी देओल एक बार फिर अपने एक्शन अवतार में धूम मचाने को तैयार हैं। वहीं उनकी मच अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' भी चर्चा में है, जिसमें वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी नजर आएंगे। सनी देओल के फैंस उन्हें फिर बड़े पैमाने पर एक्शन करते देखने के लिए बेसब्र हैं।

संजीदा शेख का करियर ग्राफ

संजीदा शेख ने हाल ही में हीरामंडी और फाइटर में बेहतरीन प्रदर्शन से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। इस फिल्म में उनकी मौजूदगी कहानी में नई दिशा और परतें जोड़ने वाली मानी जा रही है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा [illegible] पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 8, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम बुढ़ाटीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456884327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।